● वर्ष-2
● अंक-204
रायपुर, मंगलवार
18 अप्रैल 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmailÐcom

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

हेट स्पीच पर भाजपा का जवाबी पैदल मार्च

कांग्रेसियों के विरुद्ध नोटिस जारी करने की मांग की, भाजपा कार्यकर्ताओं ने थाने में चिपकाए कांग्रेस भवन के पोस्टर

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधायक शिवरतन शर्मा,पूर्व मंत्री भाजपा प्रवक्ता राजेश मूणत , रायपुर संभाग प्रभारी एवं विधायक सौरभ सिंह के नेतृत्व में आज भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर से पैदल मार्च निकालकर सिविल लाइन थाने में शिकायत पत्र देकर भाजपा ने कांग्रेस के नेताओं और मंत्रियों के विरुद्ध हेट स्पीच के लिए नोटिस जारी करने की मांग की। भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुलिस पर कांग्रेस के इशारे पर भाजपा कार्यकर्ताओं पर झूठे आरोप के तहत नोटिस जारी किए जाने के विरोध स्वरूप सिविल लाइन थाने में कांग्रेस भवन के पोस्टर भी चस्पा कर दिए। नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने पुलिस को चेतावनी दी है कि जिन कांग्रेसी नेताओं के विरुद्ध शिकायत की है, उन्हें 24 घंटे के अंदर नोटिस जारी किया जाए। ऐसा नहीं किए जाने पर भाजपा बड़े स्तर पर आंदोलन करेगी।

भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पिता नंद कुमार बघेल, मंत्री अमरजीत भगत, मंत्री कवासी लखमा, संसदीय सचिव शकुंतला साहू, कांग्रेस प्रवक्ता आरपी सिंह, धनंजय सिंह ठाकुर, जयवर्धन बिस्सा द्वारा किए गए आपत्तिजनक बयानों का हवाला देते हुए उनके विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज किए जाने की मांग की। भाजपा का कहना है कि हेट स्पीच के मामले में पुलिस का दोहरा चरित्र सामने आ रहा है। आखिर हेट स्पीच की परिभाषा क्या है? अगर सत्ताधारी दल के लोग भाजपा नेताओं के विरुद्ध आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करें तो वह हेट स्पीच के दायरे में नहीं आती जबकि

भाजपा की ओर से कोई भी आपत्तिजनक बयान न देने के बावजूद भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं के विरुद्ध हेट स्पीच के बहाने नोटिस जारी किया जा रहा है। कांग्रेस के नेताओं को बेहद आपत्तिजनक बयान देने पर भी पुलिस कोई संज्ञान नहीं लेती। क्या हेट स्पीच सत्ताधारी दल के लोगों पर लागू नहीं होती? छत्तीसगढ़ में यह कैसा दोहरा मापदंड कांग्रेस की सरकार में चल रहा है। यदि कांग्रेस के नेताओं पर कार्यवाही नहीं की गई, उन्हं नोटिस जारी नहीं किया गया तो भाजपा पूरे प्रदेश में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करेगी। प्रदेश भाजपा ने पुलिस को सौंपे शिकायत पत्र में सप्रमाण कहा कि नंदकुमार बघेल द्वारा अपने फेसबुक पेज में सदैव हिंदू धर्म की मान्यताओं के विरुद्ध अभद्र वक्तव्य प्रसारित कर समाज के लोगों की भावनाओं को आहत किया जाता है। उन्होंने हिरण्याक्ष की कपोल कल्पित कथा का उल्लेख किया। इसमें कहा गया कि हिरण्याक्ष के आठवीं बार तेहरान पर आक्रमण के समय ब्राह्मण लोग मार डाले। उन्हें सुरा सुंदरी के द्वारा फंसा दिया गया और जहर देकर मार दिया गया। इस तरह उन्होंने हिंदू मान्यताओं का अपमान किया।

पत्र में कहा गया कि कवासी लखमा कैबिनेट मंत्री हैं। 22/12/2022 को कवासी लखमा के द्वारा सार्वजनिक रूप से प्रदेश की तत्कालीन राज्यपाल सुश्री अनुसुइया उइके के विरुद्ध अभद्र टिप्पणी करते हुए कहा गया कि आरएसएस और बीजेपी की राजनीति में राज्यपाल नाच रही है। कवासी लखमा का सार्वजनिक वक्तव्य हेट स्पीच की श्रेणी में आता है। शिकायत पत्र में कहा गया कि मंत्री अमरजीत भगत द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह के विरुद्ध अभद्र टिप्पणी करते हुए उन्हें मोटा संबोधित करते हुए कहा गया कि जो 15 साल तक माल खाया हो वह मोटया। अमरजीत भगत ने जानबूझकर राजनीतिक द्वेष वश सार्वजनिक रूप से दिया यह बयान हेट स्पीच की श्रेणी में आता है।पत्र में कहा गया कि कसडोल विधायक शकुंतला साहू ने नवंबर 20 22 में कसडोल में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान अभद्र टिप्पणी करते हुए छत्तीसगढ़ में दूसरे प्रांत से आए लोगों को परदेसिया बताते हुए कहा कि परदेसिया लोगों के तलवे चाट रहे थे और अब मेरा विरोध कर रहे हो। कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर हर समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के सम्मानित एवं संवैधानिक पदों पर आसीन नेताओं के विरुद्ध अपने फेसबुक अकाउंट एवं अन्य सोशल मीडिया के माध्यम से अभद्र टिप्पणी कर रहे हैं।

भाजपाईयों का रैली, चोरी ऊपर से सीनाजोरी -कांग्रेस

भाजपा नेताओं द्वारा हेट स्पीच के मामले में रैली लेकर थाने जाना चोरी ऊपर से सीनाजोरी है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि एक तो भाजपा के नेता सामाजिक

विद्वेष भड़काने के लिये सोशल मीडिया जैसे महत्वपूर्ण प्लेटफार्म पर गलत तथ्य और भड़काऊ पोस्ट करते है। जब पुलिस उनसे उनके पोस्ट के संबंध में जवाब मांगने नोटिस भेजती है तो भीड़ ले जाकर दबाव बनाने की गैर कानूनी कोशिश करते है। भाजपा नेताओं ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट में राज्य की शांत फिजा में जहर घोलने का काम किया है। भाजपा नेताओं के पोस्ट से प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने का खतरा उत्पन्न हुआ था भाजपा नेताओं का पोस्ट अपराध की श्रेणी में भी आता है। उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही हो रही है तो भाजपाई अपने राजनैतिक दल के नेता होने का रसूख जताने के लिये पुलिस के खिलाफ, सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे जो कि सवर्था अनुचित और निंदनीय है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा नेताओं ने सोशल मीडिया में जो भड़काऊ पोस्ट किया था उसका वे प्रमाण दे अन्यथा उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही होनी चाहिये। छत्तीसगढ़ के भाजपा के नेतागण सोशल मीडिया और समाचार पत्रों में बयान दे रहे है कि राज्य में रोहिंग्या, मुसलमान, बांग्लादेशी मुसलमान तथा पाकिस्तानी नागरिक बसे है। राज्य के भाजपा नेताओं द्वारा राज्य को कथित रूप से तालिबान बनाने, बांग्लादेशियों एवं रोहिंग्याओं को बसाने तथा जेहादियों को खुली छूट दिये जाने जैसे जहरीले एवं भड़काऊ वक्तव्यों का सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित किया गया है। इनसे जानकारी मांगी जाये कि छत्तीसगढ़ में कहाँ जेहादियों, रोहिंग्याओं और बांग्लादेशियों को बसाया जा रहा है? बिरनपुर में कौन-कौन से जेहादियों को बसाया गया है तथा कौन-कौन जेहादी है?

इन दिनों

✍ शशांक शर्मा

प्रदेश में आरक्षक कोटे पर भ्रम

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सरकार ने प्रदेश में विभिन्न वर्गों को जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण देने के लिए विधानसभा में एक विधेयक पारित कराया है। इस विधेयक के अनुसार अनुसूचित जनजाति वर्ग को 32 प्रतिशत, ओबीसी को 27, अनुसूचित जाति को 13 और ईडब्ल्यूएस को 4 प्रतिशत देने का प्रावधान किया गया है। यह विधेयक अभी राज भवन से अनुमति की प्रतीक्षा में अटका हुआ है। इधर मुख्यमंत्री ने सोमवार को एक पत्र लिखकर प्रधानमंत्री से अनुरोध किया है कि छत्तीसगढ़ विधानसभा द्वारा पारित आरक्षण संशोधन विधेयक को संविधान की 9वीं अनुसुची में शामिल किया जाए। इस प्रश्न के बाद आरक्षण कोटे को लेकर भ्रम और गहरा गया है। एक बात तो तय है कि प्रदेश में विधानसभा चुनाव को 8 महीने का समय भी नहीं बचा है। ऐसी स्थिति में आरक्षण कोटे में बढोत्तरी का लाभ कांग्रेस पार्टी को चाहिए तो क्सिी हाल में विधेयक को स्वीकृत कराकर लागू कराना होगा। कांग्रेस को इस बात का भी भय है कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो चुनाव में नुकसान हो सकता है। गत वर्ष सितंबर में प्रदेश में लागू 58 प्रतिशत आरक्षण कोटा और तृतीय चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की भर्ती के लिए अनुसुचित क्षेत्रों में जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण के प्रावधान को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया था। इस बात से प्रदेश के जनजातिय युवाओं में खासी नाराजगी हुई थी। यह नाराजगी कोटा नहीं बढ़ने के कारण चुनाव में बरकरार रह सकती है। वैसे अभी पिछले छः महीनों से नई भर्ती के लिए विज्ञापन शैक्षणिक संस्थाओं में प्रवेश परीक्षा और अनेक संपन्न हुई परीक्षाओं के परिणाम पर रोक लगी हुई है। इस वजह से भी युवा परेशान और नाराज है। राज्यपाल आरक्षण विधेयक पर कोई निर्णय लेने से पहले सर्वोच्च न्यायालय में लंबित इस मामले की सुनवाई और निर्णय की प्रतीक्षा कर रहे है। दूसरी ओर विधानसभा ने भी पारित आरक्षण कोटा कानून को संविधान की 9वीं अनुसुची में डालने का अशासकीय संकल्प पारित किया है। अब मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री को इस बारे में पत्र लिखना समझ से परे है। कुछ दिन पूर्व मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री से मिलने दिल्ली गए थे और बताया गया कि दोनों के बीच अनेक विषयों पर बात भी हुई लेकिन प्रधान मंत्री से बात करते हुए क्या मुख्यमंत्री ने प्रदेश के आरक्षण विधेयक के संबंध में कोई चर्चा की थी क्या? देशभर में किसी भी राज्य को आरक्षण कोटा 50 प्रतिशत से अधिक करने की अनुमति नहीं है। मुख्यमंत्री ने पत्र में ईडब्ल्यूएस वर्ग को 10 प्रतिशत का कोटा देने के सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को आधार बनाकर प्रधानमंत्री से प्रदेश में कोटा बढ़ाने का अनुरोध किया है,जबकि सर्वोच्च न्यायालय ने ईडब्ल्यूएस के 10 प्रतिशत कोटा को सामान्य वर्ग के अधीन रखा है। प्रदेश में अगर गरीबी बहुत ज्यादा है तो यह राज्य द्वारा गठित क्वंटीफायबल डेटा आयोग की रिपोर्ट में भी प्रकट हुई होगी, अगर ऐसा है तो पारित विधेयक में ईडब्ल्यूएस का कोटा केवल 4 प्रतिशत क्यों रखा गया? उसे 10 प्रतिशत किया जाना था। कुल मिलाकर प्रदेश में आरक्षण कोटे को लेकर राजनीति हो रही है और इससे युवा बेरोजगार भ्रम की स्थिति में है। इस भ्रम को दूर करना जरूरी है नहीं तो इसका खामियाजा चुनाव में भुगतना पड़ सकता हैं।

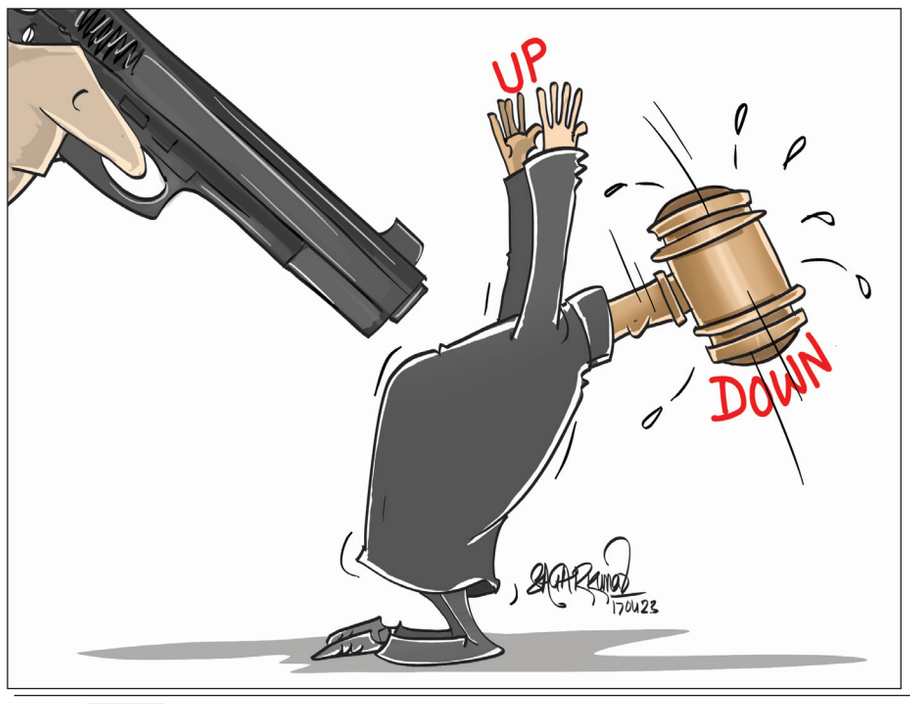

कर्नाटक चुनाव में हिजाब मुद्दे की आंच

बेंग्लुरू। कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2023 के मद्देनजर राज्य में सियासी पारा अपने चरम पर है। चुनाव के लिए एक महीने से भी कम समय बचा है। ऐसे में सतारुढ़ दल बीजेपी और विपक्षी पार्टियों के बीच आरोप प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। आगामी चुनाव में कई ऐसे मुद्दे होंगे, जिनके जरिए राजनीतिक दल एक-दूसरे को कठघरे में खड़ा करने का प्रयास करेंगे। बता दें कि पिछले साल परीक्षा देने गई लड़कियों के हिजाब को लेकर राज्य में काफी हंगामा हुआ था। जिसके कारण कई हिस्सों में हालात भी बिगड़ गए थे। ऐसें में कर्नाटक के करावली क्षेत्र में विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए एक अग्निपरीक्षा के तौर पर होगी। हालांकि हिजाब मामला सुप्रीम कोर्ट तक चला गया। लेकिन अपने पीछे एक सवाल भी छोड़ गया कि स्कूल में

पढ़ने वाली बच्चियों के पीछे कौन थी। इस मामले में फायदा चाहे जिसका भी हुआ हो, लेकिन सियासतदानों के कारण यह मामला काफी बढ़ गया था। आपको बता दें कि कर्नाटक की राजनीति क्षेत्र के हिसाब से बदलती है। कर्नाटक में इस बार कई ऐसे फैक्टर हैं जो चुनाव के लिहाज से काफी अहम हैं। कर्नाटक में पिछले साल की शुरुआत में हिजाब मुद्दे को लेकर राजनीति गर्म रही। सरकार ने शैक्षणिक संस्थानों में छात्राओं के हिजाब पर प्रतिबंध लगा दिया था। वहीं कर्नाटक की सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर एक खंडित फैसला सुनाया था। इस फैसले में जस्टिस ने कहा था कि स्कूलों में ड्रेस कोड लागू करने के लिए सरकार अधिकृत है। वहीं दूसरे ने हिजाब को पसंद का मामला बताया था। इस चुनाव में हिंदुत्व, गौहत्या, आतंकवाद, हिजाब की चर्चा चुनाव में होनी लगभग तय है। भाजपा ने उडुपी सीट से यशपाल सुवर्णा को चुनावी मैदान में उतारा है। ऐसे में माना जा रहा है कि भाजपा सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के माध्यम से दक्षिण के अपने इस एकमात्र गढ़ को बताने का पूरा प्रयास करेगी। वहीं भाजपा के वयोवृद्ध नेता बीएस येदियुरप्पा ने हिजाब और हलाला विवाद जैसे मुद्दों को गैर जरूरी बताया है।

कर्नाटक में भाजपा ताश के पत्तों की तरह बिखर रही है: जगदीश शेट्टर

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टर के पार्टी में शामिल होने के बाद सोमवार को दावा किया कि प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी ताश के पत्तों की तरह बिखर रही है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह उम्मीद भी जताई कि कर्नाटक में कांग्रेस पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने जा रही है। उन्होंने ट्वीट किया, ''कर्नाटक की राजनीति में बड़ा बदलाव आया है। पूर्व मुख्यमंत्री और राज्य में व्यापक स्तर पर सम्मानित नेता जगदीश शेट्टर आज कांग्रेस में शामिल हो गए। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने के मार्ग पर अग्रसर है।

प्रमुख समाचार

ज्ञानवापी से जुड़े सात मामलों की अब एक साथ होगी सुनवाई

वाराणसी। वाराणसी के बहुचर्चित ज्ञानवापी-मां श्रृंगार गौरी से जुड़े सभी सात मामलों की सुनवाई अब एक साथ होगी। संबंधित प्रार्थना पत्र

पर सोमवार को जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने आदेश सुनाया। मां श्रृंगार गौरी प्रकरण की चार वादिनी लक्ष्मी देवी, सीता साहू, मंजू व्यास और रेखा पाठक की ओर से कोर्ट में आवेदन दिया गया और कहा गया था कि किरन सिंह विसेन व अन्य की ओर से ज्ञानवापी-मां श्रृंगार गौरी के संबंध में दाखिल मुकदमों को जिला जज की कोर्ट में स्थानांतरित कर एक साथ सुना जाए। इस अर्जी पर सभी पक्षों की दलील सुनने के बाद आदेश के लिए तिथि तय कर दी गई थी। लक्ष्मी देवी, सीता साहू, मंजू व्यास और रेखा पाठक के अधिवक्ता सुभाष नंदन चतुर्वेदी, सुधीर त्रिपाठी ने मामलों की सुनवाई एक साथ किए जाने के पक्ष में अपनी बात रखी थी।

बंगाल सरकार - न्यायपालिका के बीच की तकरार

कलकत्ता। उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अभिजीत गांगुली और पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के बीच शब्दों का आदान-प्रदान राज्य में राज्य सरकार और न्यायपालिका के बीच जारी तनाव को दर्शाता है। न्यायमूर्ति गांगुली ने पिछले सप्ताह देखा कि सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय यदि आवश्यक हो तो टीएमसी के गिरफ्तार युवा नेता कुंतल घोष के आरोपों के संदर्भ में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी से पूछताछ कर सकते हैं। टीएमसी के राज्य महासचिव कुणाल घोष ने पलटवार करते हुए कहा कि (जस्टिस गांगुली को) कुर्सी छोड़कर सीधे राजनीति में प्रवेश करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आप जांच के प्रभारी हैं? आप पक्षपात का परिचय देकर जांच को समान रूप से प्रभावित कर रहे हैं। घोष ने न्यायमूर्ति गांगुली पर विपक्षी दलों कांग्रेस, माकपा और भाजपा के समर्थन से अभिषेक को कलंकित करने का भी आरोप लगाया।

अजित पवार ने रद्द की रैली बीजेपी के 2 नेता पहुंचे दिल्ली

नई दिल्ली। राकांपा नेता अजीत पवार द्वारा अचानक पुणे में एक कार्यक्रम को रद्द किया जाना, महाराष्ट्र से भाजपा के दो शीर्ष नेताओं के

दिल्ली आना, राज्य में विपक्ष के नेता की योजनाओं के बारे में नई अटकलों को हवा दे रहा है। जबकि शिवसेना ने एक बार फिर सहयोगी एनसीपी में विभाजन की किसी भी संभावना से इनकार किया। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सेना ने कहा कि अगर अजीत पवार भाजपा के साथ हाथ मिलाते हैं, तो इससे राज्य सरकार मजबूत होगी। उद्धव सेना के मुख्य प्रवक्ता संजय राउत ने कहा कि अजीत पवार रविवार को नागपुर में एमवीए की रैली में हमारे साथ थे। उन्होंने एमवीए के शीर्ष नेताओं के साथ मंच साझा किया। हम उसी विमान से लौटे और यहां तक ?कि चल रही अफवाहों के बारे में भी बात की... हमें पूरा विश्वास है कि अजित पवार बीजेपी से हाथ नहीं मिलाएंगे।

बेंच ने चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को चुनौती पर सुनवाई से खुद को किया अलग

नई दिल्ली। जस्टिस केएम जोसेफ की

अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने सोमवार को अरुण गोयल की चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। जस्टिस जोसेफ और बीवी नागरत्ना की बेंच ने कहा कि मामले को किसी और बेंच के सामने लिस्ट करें। पीठ द्वारा सुनवाई से खुद को अलग करने से पहले, शीर्ष अदालत ने गोयल की नियुक्ति को चुनौती देने वाले एनजीओ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स से सवाल किया और यह दिखाने को कहा कि किन नियमों का उल्लंघन किया गया। इसमें कहा गया है कि संवैधानिक पद पर किसी व्यक्ति की नियुक्ति के बाद यह अनुमान नहीं लगाया जा सकता है कि वह गलत, मनमाना काम करेगा या हां में हां मिलाएगा।

पूर्वी भारत में जारी रहेगा लू का सितम, मौसम विभाग का अलर्ट

नई दिल्ली। देश में गर्मी का मौसम अभी शुरू ही हुआ है और लोग तेज धूप और लू से त्रस्त हो गए हैं। इस बीच मौसम विभाग ने सोमवार को गर्मी और लू को लेकर नया अलर्ट जारी किया है। द्रुस्ठ के मुताबिक, देश के कई हिस्सों में गर्मी अपना असली रूप दिखाएगी तो कुछ इलाके बारिश की वजह से राहत महसूस करेंगे। मौसम विभाग ने बताया कि पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में अगले चार दिनों तक लू के आसार हैं। इसके अलावा देश के उत्तर-पश्चिम क्षेत्र दो दिन तक लू की चपेट में रहेंगे। हालांकि, इसके बाद इन इलाकों के लोगों को कुछ राहत मिलने लगेगी। मौसम विभाग के मुताबिक, गंगा की तटीय क्षेत्रों से लगा पश्चिम बंगाल और बिहार अगले चार दिनों तक लू से तपेगा। सिक्किम, ओडिशा और झारखंड में भी अगले दो से तीन दिनों तक लू का प्रकोप जारी रहेगा। मौसम विज्ञान विभाग (द्रुस्ठ) ने कहा कि 17 अप्रैल को पंजाब और हरियाणा लू से तपेंगे। 18 अप्रैल को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में गर्मी लोगों को परेशान करेगी।

समीक्षा

जगदीश शेट्टार के कांग्रेस में जाने से कर्नाटक चुनाव पर पड़ेगा असर

हिमांशु मिश्रा

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता जगदीश शिवप्पा शेट्टार सोमवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। छह बार के विधायक शेट्टार टिकट नहीं मिलने से नाराज थे। शेट्टार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी की सदस्यता दिलाई। बीएस येदियुरप्पा के बाद शेट्टार लिंगायत समुदाय के दूसरे सबसे बड़े नेता माने जाते हैं। कर्नाटक में लिंगायत वोटर्स की आबादी 17 फीसदी है। कहा जाता है कि लिंगायत वोटर्स किसी का भी कर्नाटक में खेल बना सकते हैं और बिगाड़ भी सकते हैं। यही कारण है कि अब कर्नाटक की सियासत में खलबली मची हुई है।

जगदीश शेट्टार 2018 के विधानसभा चुनाव में धारवाड़ जिले की हुबली धारवाड़ मध्य सीट से जीते थे। शेट्टर लगातार छह बार से चुनाव जीत रहे हैं। वह 2012 से 2013 तक कर्नाटक के मुख्यमंत्री रहे हैं। 68 साल के शेट्टार 2008 से 2009 के बीच कनार्टक विधानसभा के अध्यक्ष भी रहे। कहा जाता है कि शेट्टार का कित्तूर कर्नाटक (मुंबई कर्नाटक) इलाके की 25 से अधिक विधानसभा सीटों पर प्रभाव है। 20 अगस्त 2019 को राज्य की भाजपा सरकार में उन्हें मध्यम उद्योग के कैबिनेट मंत्री का पद मिला था। बीएस येदियुरप्पा के इस्तीफे के बाद जब कैबिनेट को भंग किया जा रहा था तो उन्होंने घोषणा कर दी थी कि भविष्य में किसी कैबिनेट का हिस्सा नहीं होंगे। यह इस बात का संकेत था कि शेट्टार नाराज हो चुके हैं। वह संघ के पुराने कार्यकर्ता रहे।

कहा जाता है कि राज्य में सत्ता की चाबी लिंगायतों के हाथ में ही है। कर्नाटक में लिंगायत समुदाय का इतिहास 12वीं शताब्दी से शुरू होता है। 1956 में भाषा के आधार पर राज्यों का पुनर्गठन हुआ। इसके इसके साथ ही कन्नड़ भाषी राज्य मैसूर अस्तित्व में आया। जिसे बाद में कर्नाटक कहा गया। राज्य के गठन से ही यहां लिंगायत समुदाय का दबदबा रहा है। इस दबदबे का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 1956 से अब तक सूबे में आठ मुख्यमंत्री लिंगायत समुदाय से ही बने। माना जाता है कि कर्नाटक की 110 विधानसभा सीटों पर ये सीधा असर डालते हैं। कर्नाटक के अलावा पड़ोसी राज्यों महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में इस समुदाय की अच्छी आबादी है। अभी कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई भी लिंगायत समुदाय से आते हैं। हालांकि, बोम्मई से ज्यादा लिंगायत वोटर्स के बीच येदियुरप्पा और शेट्टार की पकड़ मानी जाती है।

लिंगायत समुदाय के लोग खुद के अलग धर्म की मांग कर रहे हैं। चुनाव में भी इसको लेकर खूब चर्चा है। कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने तो वादा भी कर दिया है कि अगर उनकी सरकार बनती है तो लिंगायत को अलग धर्म का दर्जा दे दिया जाएगा। अब शेट्टार भी कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं। ऐसे में इसका भी काफी प्रभाव लिंगायत वोटर्स पर पड़ सकता है।

अब जब वह कांग्रेस में शामिल हुए तो उससे स्पष्ट हो गया कि कुछ राजनीतिज्ञों के लिए पद ही सब कुछ है। विचारधारा का उनके लिए कोई महत्व नहीं है। जिस पार्टी ने उन्हें आधा दर्जन बार विधायक बनाया, कैबिनेट मंत्री, विधानसभा अध्यक्ष बनाया और मुख्यमंत्री तक बनाया, उसे उन्होंने महज एक चुनावी टिकट के लिए अलविदा कह दिया। पांच दशक से ज्यादा समय तक वह संघ और जनसंघ की विचारधारा के साथ पले बढ़े और उसके प्रसार में महती भूमिका निभाई, इसलिए अब जब उन्होंने पाला बदल लिया है तब यह सवाल उठेगा ही कि दूसरी विचारधारा के साथ वह कैसे सामंजस्य बिठा पायेंगे? जगदीश शेट्टर को इस उम्र में भाजपा छोड़ने से पहले यह भी सोचना चाहिए था कि यदि कर्नाटक में कांग्रेस विधानसभा चुनाव नहीं जीत पाई तब उनकी जिंदगी भर की मेहनत पर पानी फिर जायेगा।

बहरहाल, देखा जाये तो जगदीश शेट्टर जैसे वयोवृद्ध नेताओं की राजनीति में बने रहने की इच्छा भी विकास में बड़ी बाधक है। यदि वयोवृद्ध नेता युवाओं के लिए पद छोड़ना शुरू कर दें और अपने अनुभव का लाभ उन्हें देते हुए उनका मार्गदर्शन करें तो युवाओं की ऊर्जा और वरिष्ठों के अनुभव का समावेश राज्य और देश के लिए काफी लाभदायक सिद्ध होगा।

नक्सलियों की मौजूदगी की आशंका से दो दिनों से अंदरूनी ओरछा मार्ग अवरुद्ध

नारायणपुर। नक्सलियों के नेलनार एरिया कमेटी ने जिले के अबूझमाड़ इलाके में नक्सलियों ने बीती रात ग्राम रायनार एवं पिनगुंडा पुल के पास सड़क को खोदकर, पेड़ काटकर ओरछा मार्ग को अवरुद्ध कर दिया है। इसके साथ ही नक्सलियों ने विधानसभा चुनाव का बहिष्कार की चेतावनी देते हुए बैनर चस्पा किया है। नक्सलियों की इस करतूत के चलते ओरछा मार्ग पर 2 दिनों से यात्री बसों के पहिए थमे हुए है। आशंका है कि आस-पास के जंगलों में नक्सलियों की मौजूदगी एवं आईईडी प्लांट कर सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की साजिश कर रहे हैं। हालांकि, पुलिस ने सर्चिंग अभियान तेज कर दी है, बावजूद इसके 2 दिन बाद भी सुरक्षा बल के जवान अवरूद्ध मार्ग को बहाल करने के लिए अबूझमाड़ के अंदरूनी इलाके तक नहीं पहुंच पाये हैं।

नक्सलियों के नेलनार एरिया कमेटी ने बैनर टांगकर विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करने के साथ ही हिंदुत्व वादी संगठनों, भाजपा, आरएसएस और कांग्रेस को मार भगाओ, संसोधनवादी पार्टियों को कटघरे में खड़ा करो, जनसमस्या पर सवाल खड़े करने जैसी बातें बैनर में लिखी है। छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव के लिए करीब 6 महीने का समय

अभी शेष है, लेकिन नक्सली अभी से सक्रिय हो गए है। नक्सलियों ने अभी से ही चुनाव बहिष्कार का नारा बुलंद करते हुए चेतावनी जारी की है।

उल्लेखनीय है कि नक्सलियों द्वारा चुनाव बहिष्कार के आह्वान का कस्बाई इलाको में ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ता है लेकिन अंदरूनी इलाको में लोग नक्सलियों के प्रभाव और धमकी के कारण कम संख्या में मतदान करते है। पूर्व में नारायणपुर विस में सबसे कम मतदान होता था, लेकिन वर्ष 2018 के विस चुनाव में नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र में 75.06 प्रतिशत अप्रत्यासित रिकार्ड तोड़ मतदान हुआ था, जो कि पिछले तीन दशकों में सर्वाधिक है।

नक्सलियों द्वारा मोबाइल टावर जलाने के मंसूबों पर फिरा पानी

सुकमा। जिले के थाना दोरनापाल अंर्तगत ग्राम कोसागुड़ा में रात्रि 01 बजे अज्ञात नक्सलियों द्वारा गांव में लगे मोबाइल टावर को जलाने का प्रयास किया जा रहा था, जिसकी सूचना पर तत्काल सुकमा एसपी सुनिल शर्मा के निर्देशन पर एक टीम रवाना किया गया, जिसने चारों ओर से घेरा डालकर नक्सलियों को पकड़ने का प्रयास किया, जिससे डरकर नक्सली भाग खड़े हुए, एवं टावर को जलने बचा लिया गया, वर्तमान में टावर निर्बाध रुप से संचालित हो रहा है। घटना में शामिल असमाजिक तत्वों और नक्सलियों की पता तलाश हेतु संदिग्ध स्थलों पर पुलिस की दबिश की कार्यवाही लगातार चल रही है।

जोशीलमती का सहायक समिति प्रबंधक निलंबित

■ **नवाज के नेतृत्व में 11 गांव के किसानों ने कलेक्टर से की मुलाकात**

राजनांदगांव। छुरिया विकासखंड क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जोशीलमती के सहायक समिति प्रबंधक द्वारा किसानों पर एलआईसी कराए जाने का दबाव बनाए जाने की शिकायत सामने आने के बाद जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अध्यक्ष नवाज खान के नेतृत्व में समिति से जुड़े 11 गांवों के किसानों ने कलेक्टर से मुलाकात की थी, जिस पर उसे तत्काल निलंबित करने का आग्रह किया गया। जांच उपरांत उप पंजीयन कार्यालय द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए सहायक समिति प्रबंधक को निलंबित कर दिया गया है।

निलंबन अवधि में सहायक समिति प्रबंधक को जीवननिर्वाह भत्ता की पात्रता होगी,सहायक समिति प्रबंधक को निलंबित किए जाने से किसानों में काफी

हर्ष व्याप्त है। ज्ञात हो कि सोसायटियों में किसानों को लोन देने के नाम पर समिति प्रबंधकों द्वारा लगातार परेशान किए जाने की शिकायत सामने आने के बाद जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अध्यक्ष नवाज खान ने इसे गंभीरता से लिया है. छुरिया विकासखंड क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जोशीलमती सोसायटी में भी सहायक समिति प्रबंधक कैलाश प्रसाद गजपल्ला द्वारा किसानों को लोन देने के पूर्व एलआईसी कराने का दबाव बनाया जाता विकासखंड क्षेत्र था. 11 गांव के किसानों ने इसकी शिकायत के अंतर्गत आने जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अध्यक्ष वाले जोशीलमती नवाज खान से की थी, जिस पर उन्होंने इस के मामले को गंभीरता से लेने के बाद कलेक्टर समिति प्रबंधक से मुलाकात की थी. जिस पर कलेक्टर ने द्वारा शासकीय जांच के आदेश दिए थे. शिकायत की जांच योजनाओं डी के मिश्रा सहकारिता विस्तार अधिकारी विकासखंड छुरिया द्वारा कराई गई. जांच अधिकारी द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर सहायक समिति प्रबंधक कैलाश प्रसाद गजपल्ला के विरूद्ध समिति कर्मचारी सेवा नियम 2018 के तहत वैधानिक कार्यवाही किया जाना उचित पाया गया। किसानों ने नवाज खान से शिकायत की थी, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अध्यक्ष नवाज खान का कहना है कि छुरिया सहायक का किसानों को लाभ देने के पूर्व एलआईसी कराने का दबाव बनाया जाता था, जिसकी शिकायत समिति से जुड़े 11 गांवों के किसानों ने की थी, जिस पर कार्रवाई के लिए कलेक्टर से मुलाकात की गई थी. जांच उपरांत सहायक समिति प्रबंधक को निलंबन करने की कार्रवाई की गई है।

केसीसी में फर्जीवाड़ा करने वाले प्रबंधक कुलदीप विश्वकर्मा के विरूद्ध एफआईआर

■ **समिति प्रबंधक के पद से किया गया बर्खास्त, किसानों की सुविधा का रखा जायेगा ख्याल**

राजनांदगांव। डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम सेवा सहकारी समिति मर्यादित मेढ़ा के श्री कुलदीप विश्वकर्मा के विरूद्ध धोखाधड़ी का मामला दर्ज करते हुए उन्हें समिति प्रबंधक के पद से बर्खास्त कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि पिनकापार निवासी प्रार्थी श्री गौचंद एवं ग्राम धनडोंगरी निवासी श्री गुलाब, श्री बेलदार, श्री बेदूराम, श्री सेवाराम, श्री शत्रुहन, श्री पीलूराम तथा ग्राम पिनकापार निवासी श्री मुकुंद, श्री नंदकुमार, श्री दयालाल व ग्राम मुड़पार निवासी श्री गणपत, मेढ़ा निवासी श्री रतन, ग्राम धनडोंगरी निवासी श्री धुनु, ग्राम धनडोंगरी निवासी श्री शत्रुहन कंवर, ग्राम धनडोंगरी निवासी श्री सालिक कुमार द्वारा थाना डोंगरगढ में देर रात शिकायत करने पर सेवा सहकारी समिति मर्यादित मेढ़ा के श्री कुलदीप विश्वकर्मा के विरूद्ध धोखाधड़ी के मामलों में करते हुये भारतीय दण्ड संहिता की धारा 420 एवं 409 के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज किया गया। संस्था व बैंक द्वारा दी गई जानकारी अनुसार समिति कार्यक्षेत्र के

ग्रामों के किसानों के साथ ऋण वितरण में गड़बड़ी समिति प्रबंधक द्वारा की गई है।

प्रारंभिक जांच में किसानों को फर्जी तरीके से वितरण ऋण, किसानों से ऋण वसूली किया जाना बाकी है। किसानों द्वारा थाने मे बयान दर्ज कराया गया है कि यह ऋण उन्होंने लिया ही नहीं है। मृतक कृषक पुत्र श्री आनंद राम कंवर के पिता श्री भागीरथी कंवर समिति कार्यक्षेत्र के ग्राम खल्लारी के निवासी हैं। इनके द्वारा भी समिति से ऋण लिया जाता रहा है। इस किसान ने वर्ष 2020 में समिति से 2 लाख 50 हजार रूपए ऋण लिया था। जिसकी वसूली के लिए समिति अथवा बैंक शाखा द्वारा कोई मांगपत्र जारी नहीं किया गया था। समाचार पत्र में प्रकाशित हुआ था कि ऋण वसूली की प्रताडना से किसान द्वारा आत्महत्या की गई है। जबकि वसूली हेतु कोई प्रताडना समिति अथवा बैंक शाखा द्वारा नहीं किया गया। आत्महत्या के कारणों को जानने के लिए थाना डोंगरगढ़ द्वारा रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है। आरोपी श्री कुलदीप विश्वकर्मा के विरूद्ध प्राप्त शिकायत की जांच की गई। जांच में दोषी पाये जाने पर 12 अप्रैल 2023 को समिति के कर्मचारी सेवा नियम के तहत तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया गया है।

समिति प्रबंधक द्वारा की गई गड़बड़ी की जांच के लिए सहकारिता विभाग द्वारा विशेष अंकेक्षण कार्य किया जा रहा है। अंकेक्षण प्रतिवेदन में गड़बड़ी पाये जाने पर कार्यवाही की जायेगी। फिलहाल थाना डोंगरगढ में एफआईआर रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है। समिति कार्यक्षेत्र के अन्य किसान जिनके साथ इस प्रकार की धोखाधड़ी हुई हो तो, वे थाना डोंगरगढ़ में जाकर अपनी शिकायत लिखवा सकते हैं। जल्द ही खेतों में बुआई एवं खेती किसानी करने का समय आ जायेगा। ऐसी स्थिति में किसानों को खाद, बीज एवं ऋण की आवश्यकता होगी। जिन किसानों का ऋण भुगतान नहीं हुआ है। जिसकी वजह से वे खाद बीज प्राप्त नहीं कर पा रहे है। शीघ्र ही उन किसानों की समस्या का समाधान कर लिया जाएगा। खेती किसानी के कार्यों में किसानों को कोई परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

सरपंच पति ने एसडीएम के विरूद्ध विधायक व कलेक्टर को किया शिकायत

कांकेर। भानुप्रतापपुर विकासखंड़ अंर्तगत ग्राम पंचायत साल्हे के सरपंच पति के द्वारा राशन सामाग्री संबंधित समस्या को लेकर भानुप्रतापपुर एसडीएम को फोन करने पर उन्होने धमकी दे दिया। इस संबंध में सरपंच पति ने कार्यवाही के लिए विधायक और कलेक्टर को लिखित शिकायत किया है। जिसमें कोई कार्यवाही नहीं होने पर उन्होने बातचीत का ऑडियो सोशल मिडिया में वायरल कर दिया।

ग्राम पंचायत साल्हे केसरपंच पति खिलावन आंचला ने बताया कि ग्राम पंचायत साल्हे में पिछले महीने मार्च में राशन सामाग्री कम आई थी, जिसके कारण बहुत से राशनकार्ड धारियों को राशन नहीं मिल पाया। जिसकी शिकायत राशन कार्ड हितग्राहियों ने सरपंच के पास किया तो इस संबंध में जानकारी लेने के लिए पहले फूड इंस्पेटर को फोन किया, लेकिन नेटवर्क की समस्या को लेकर बात नहीं हो पाई तो इस संबंध में 22 मार्च को भानुप्रतापपुर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व प्रतीक जैन के पास

फोन किया। फोन पर खिलावन आंचला का नाम सुनते ही अधिकारी बात करने से इंकार करते हुए फोन पर उसे धमकी दे दिया।

आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष हरेश चक्रधारी ने कहा कि ग्राम पंचायत साल्हे के सरपंच पति खिलावन आंचला ने ग्राम पंचायत की समस्या को लेकर उनके ड्यूटी के समय में उनको फोन कर समस्या से अवगत कराने का प्रयास किया था लेकिन एसडीएम के द्वारा उनके साथ ना सिर्फ दुर्व्यवहार किया गया बल्कि उसे मारने की धमकी भी दी गई जिसका ऑडियो भी वायरल हो रहा है। उनके द्वारा इस प्रकार से धमकी देना घोर निंदनीय है। उनके खिलाफ थाना में अपराध दर्ज करने की मांग कर रहे हैं।

एसडीएम प्रतीक जैन का कहना है कि वैसे तो खिलावन आंचला सरपंच नहीं है, सरपंच उनकी पत्नी हैं जो भी शिकायत है। सरपंच के द्वारा किया जाना चाइये। परेशान करने के लिए बार-बार खिलावन आंचला द्वारा मेरे पास कॉल किया जा रहा था, इस कारण इस प्रकार से बोलना पड़ा।

भुनेश्वर साहू को श्रद्धांजलि देने जैन भवन चौक में सभा आयोजित की गई

दल्लीराजहरा। तहसील साहू संघ दल्ली राजहरा के द्वारा जैन भवन चौक दल्ली राजहरा में 15 अप्रैल को संध्या श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया । इस सभा में दल्ली राजहरा के लगभग 500 से अधिक महिलाएं एवं पुरुष उपस्थित हुए सभा का मूल उद्देश्य ग्राम बिरनपुर में एउ समुदाय विशेष के द्वारा 8 अप्रेल को 22 वर्षीय भुनेश्वर साहू पिता ईश्वर साहू की निर्दयता पूर्ण निर्मम हत्या कर दी गई थी द्य श्रद्धांजलि देने तहसील साहू संघ दल्ली राजहरा के द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया द्य कार्यक्रम में उपस्थित हुए सभी व्यक्तियों के मन में प्रशासन के द्वारा की गई लापरवाही के प्रति नाराजगी तथा भुनेश्वर साहू की हत्या की शोक में आंखें नम भी थे। लोग भुनेश्वर साहू अमर रहे , भुनेश्वर साहू के हत्यारों को फांसी दो के नारों के साथ नम आंखों से श्रद्धांजलि दी द्य सबसे पहले भुनेश्वर साहू के तस्वीर पर गुलाल तथा फूलों के द्वारा और 365 दीपक जलाकर उन्हें श्रद्धांजलि दिया गया दो मिनट के मौन रखकर भगवान से उनके परिवार

को इस दुखद घड़ी में दुख सहने की क्षमता देने के लिए प्रार्थना की गई द्य सर्व समाज समरता समिति के अध्यक्ष पवन गंगबेर ने कहा ग्राम बीरनपुर में हुए घटना का हम सर्व समाज की ओर से निंदा करते हैं यह सरासर एक धर्म का हिंदू समाज के ऊपर अत्याचार है । दोबारा ऐसी घटना ना घटे इसके लिए सरकार को आगे आना चाहिए । तहसील साहू संघ के पूर्व अध्यक्ष तोरण लाल साहू ने कहा कि बिरनपुर की जो घटना है यह अप्रत्याशित घटना ना होकर सोची समझी साजिश है द्य क्योंकि बीरनपुर हिंदू बहुल गांव है जहां मात्र 38 घर मुस्लिम समुदाय से ताल्लुक रखते हैं , जिसमें 110 परिवार साहू समाज से संबंध रखते है द्य इस 38 परिवार का आतंक इतना है कि पुलिस वाले भी हाथ पर हाथ धरे रह गए द्य समाज के होनहार बालक की हत्या हो गई प्रशासन कुछ नहीं कर पाया।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

कांग्रेस सरकार में आदिवासी नेताओं की उपेक्षा : सुमित्रा

कांकेर। पूर्व विधायक सुमित्रा मारकोले ने

प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर आदिवासी नेताओं की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए उन्होने कहा कि कांग्रेस की भूपेश सरकार अपने आप को आदिवासियों की हितैशी सरकार होने का लगातार दावा करती है। वहीं दूसरी ओर आंकड़ों पर नजर डाली जाएं तो राज्य बनने के बाद कांग्रेस ने कितने आदिवासी वर्ग से प्रदेश अध्यक्ष बनाए और आज सरकार में है तो केवल तीन ही आदिवासी मंत्री बनाए हैं, जबकि भाजपा सरकार ने दूसरे कार्यकाल में पांच आदिवासी विधायक को मंत्री बनाया था, इसमें से तीन मंत्री बस्तर से थे। पूर्व विधायक मारकोले ने कहा कि बस्तर के विधानसभा की 12 सीट कांग्रेस के पास है और केवल एक को ही मंत्री बनाया गया है। भाजपा की रमन सरकार में बस्तर से तीन आदिवासी मंत्री केदार कश्यप, लता उसेंडी ओर विक्रम उसेंडी को एक साथ मंत्री बनाया था। इसी कार्यकाल में रामविचार और ननकीराम कंवर को भी मंत्री बनाया था।

श्रमिकों को सुविधा दिलाने की करेंगे पहल : बीकेकेएमएस

कोरबा। भारतीय कोयला खदान मजदूर संगठन बीकेकेएमएस की कार्यसमिति की विकास नगर कुसमुंडा स्थित बीएमएस कार्यालय में हुई बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि महासम्मेलन आयोजित कर महिला श्रमिकों के अधिकारों को बताएंगे, ताकि कार्यस्थल पर उनके अधिकार सुरक्षित रह सकें। ठेका श्रमिकों को सुविधाएं दिलाने समेत सामाजिक सुरक्षा व जॉब सिक्योरिटी को लेकर भी चर्चा हुई। बीएमएस कार्यालय में बीकेकेएमएस की कार्यसमिति की बैठक हुई, जिसमें हाल ही में संगठन की तीन दिनी अधिवेशन में पारित प्रस्ताव को रखा है। इसमें विशेष कर लेबर कोड, महिलाओं की सुरक्षा, दुर्घटनाओं पर अंकुश, ठेका कर्मियों के लिए जॉब और सोशल सिक्योरिटी पर कार्य, उद्योगों में नई भर्ती को सदन के समक्ष रखा गया। संगठन के पदाधिकारियों व सदस्यों को इसकी जानकारी दी। इस मौके पर बीएमएस के अध्यक्ष अश्वनी कुमार मिश्रा, महामंत्री अशोक कुमार सूर्यवंशी सहित एसईसीएल के चारों एरिया के जेसीसी मेंबर व अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

ब्राह्मण समाज 22 को परशुराम की जन्मोत्सव मनाएगा

दल्लीराजहरा। ब्राह्मण समाज द्वारा प्रति वर्ष की भांति 22 अप्रैल 2023 अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर भगवान विष्णु के छठवें अवतार भगवान परशुराम की जन्मोत्सव मनाने का निर्णय अध्यक्ष राजेंद्र तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न मासिक बैठक में लिया गया।इस अवसर पर विप्र बंधुओं रामबाबू शर्मा, कमल शर्मा ,जगराम उपाध्याय, संतोष पाण्डेय, शैलेंद्र व्यास, प्रशांत त्रिवेदी, विजयशंकर दीक्षित (केम्प क्षेत्र), बी.के.मिश्रा ,विजय दीक्षित ,ऋषिकांत पाण्डेय, पी.डी.मिश्रा आदि उपस्थित थे। बताया गया कि ब्राह्मण समाज भवन में 22 अप्रैल को भगवान परशुराम जी की जन्मोत्सव पर प्रात: 10:00 बजे से भगवान परशुराम की वैदिक विधि-विधान से पूजा- अर्चना, हवन, सुन्दरकाण्ड पाठ व हनुमान चालीसा का पाठ एवं आरती किया जाएगा तत्पश्चात दोपहर 1:00 से भोग, प्रसाद व भोजन की व्यवस्था रखी गई है। प्रवक्ता कमल शर्मा ने ब्राह्मण समाज के सभी सदस्यों को सपरिवार भगवान श्री परशुराम की जन्मोत्सव पर गरिमामयी उपस्थिति प्रदान करने की अपील की है।

तेंदुए को लोगों ने किया कैमरे में कैद, दहशत का माहौल

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर में एक बार फिर तेंदुए की दहशत फैल गई है। तेंदुआ सोमवार को फिर से बस्ती के नजदीक पहाड़ी पर दिखाई दिया है। मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने उसकी तस्वीर अपने मोबाइल में कैद की है। इस दौरान तेंदुआ गढ़िया पहाड़ी पर बैठा हुआ था। कुछ देर बाद ही वह झाड़ियों की ओर भाग निकला। इससे पहले भी बस्ती में मवेशियों को तेंदुआ और भालू अपना शिकार बना चुके हैं। शहर के गढ़िया पहाड़ में पिछले कुछ दिनों से चट्टानों पर तेंदुआ नजर आ रहा है। राजापारा इलाके से लगी पहाड़ी की चट्टानों पर सोमवार सुबह एक तेंदुआ नजर आया। मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने चट्टान पर तेंदुए को देखा। इसके बाद उसे देखने के लिए लोगों की भीड़ लग गई। मार्निंग वाक पर निकले लोग तेंदुए का वीडियो-फ़ोटो बनाने लगे। इसके बाद तेंदुए के फोटो और वीडियो इलाके में वायरल हो रहे हैं। लोगों ने बताया कि अक्सर गढ़िया पहाड़ पर तेंदुआ चट्टानों में दिखाई देता है। सोमवार को भी चट्टान पर तेंदुआ बैठा हुआ था। तेंदुआ शिकार की तलाश में मोहल्ले में भी आ सकता है।

पेट्रोल पंप पर तेल भरवाते समय बस में लगी आग

बलोद। बालोद शहर के मिनी माता चौक के

पास भाटिया पेट्रोल पंप में बड़ा हादसा टला गया। डीजल भरवाने के दौरान एक निजी ट्रांसपोर्ट कंपनी की बस में आग लग गई और इसे देखकर आसपास के लोगों में अफरातफरी मच गई। और आसपास के लोगों की नजर आग पर पड़ी तो लोगों ने बहादुरी दिखाते हुए अग्निशमन सिलेंडर के माध्यम से तत्काल बुझाने का प्रयास किया गया चूंकि आग तुरंत ही लगी थी और फैल नहीं पाई, जिसके कारण आग बुझाने में काबू पाया गया। घटना सोमवार सुबह आठ बजे की बताई जा रही है। प्रत्यक्ष दर्शियों ने बताया कि बस के डीजल टैंक में लीकेज था, जिसके कारण इस आग लगना बताया जा रहा है। यह बस डीजल भरवाने के लिए खड़ी हुई थी, गनीमत रही कि पंप आग के चपेट में नहीं आया, नहीं तो बड़ी घटना घटित हो सकती थी। आग लगने की घटना के बाद बस को पेट्रोल पंप के पास से धक्का देकर दूर हटाया गया।

सात जलाशयों के जीर्णोद्धार के लिए मिली स्वीकृति

कोरबा। पाली विकासखंड के ग्राम चैतमा में आठ साल पहले ध्वस्त वसुंधरा नाला का जीर्णोद्धार होगा। बांध के कायाकल्प होने से क्षेत्र के 250 हेक्टेयर खेतों में पानी पहुंचेगा। वसुंधरा नाला सहित जिल के सात जलाशयों के जीर्णोद्धार के लिए जल संसाधन को 15.40 करोड़ की स्वीकृति मिली है। लघु सिंचाई योजना के तहत पहले से निर्मित इन जलाशयों के मरम्मत के लिए वर्षों से राशि की मांग की जा रही थी। जिसकी स्वीकृति राज्य सरकार ने दे दी है इससे जिले के कुल कृषि रकबा के 11 प्रतिशत क्षेत्र में सिंचाई सुविधा का विस्तार होगा।

पाली विकासखंड के अंतर्गत ग्राम चैतमा मे सिंचाई विभाग ने सन 2006.07 में वसुंधरा नाला बांध का निर्माण कार्य प्रारंभ किया था। 2009.15 में बांध पूर्ण रूप से बनकर तैयार हो गया। जल संसाधन विभाग के अनुसार 250 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई हो सकती है। विडंबना यह है कि आठ वर्ष पूर्ण होने के बाद भी इस डेम का लोकार्पण नहीं हो सका है और न ही एक बूंद पानी किसानों को मिल सका है। संबंधित विभाग की ओर से राज्य शासन को कई बार पत्र लिखा जा चुका था। अब जाकर शासन ने सुध ली है।

जल संसाधन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार अकेले वसुंधरा नाला बांध के जीर्णोद्धार के लिए 2.50 करोड़ का अनुमानित व्यय तय किया गया है। बताना होगा कि जल संसाधन ने नहर के लिए जमीन का कुछ भाग अधिग्रहण किया है। जिस भाग को अधिग्रहित कर लिया है उसमें भी खुदाई का कार्य आधा अधूरा छोड़ दिया गया है। ऐसे में अतिरिक्त भूमि उपयोगहीन हो चुकी है। ऐसे में किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है।

किसानों की माने तो अधिग्रहित भूमि का मुआवजा मिल चुका है। नहर का कार्य पूर्ण होने से राहत मिल सकती है। बांध के उपर एक किलोमीटर तक नाला के दोनों किनारे में दीवार का भी निर्माण किया गया है। तकनीकी त्रुटि के कारण नाले का पानी को को रोकने में यह दीवार नाकाम है। वर्षा जल के तेज प्रवाह से दीवार कई स्थानों से ध्वस्त हो चुका है। बजट में शामिल किए जाने निर्माण की उम्मीद बंध गई है। बांध बनने से क्षेत्र में न केवल धान फसल बल्कि सब्जी की भी खेती की जा सकेगी।

जिले में वृहत सिंचाई के लिए तैयार किए गए बांगो और दर्री बांध किसानों के लिए कारगर नहीं है। ऐसे में लघु सिंचाई के लिए 41 छोटे जलाशयों की खुदाई की गई जो जिले में 98 हजार हेक्टेयर धान कृषि रकबा के लिए पर्याप्त नहीं है। जलाशयों का समय सीमा में मरम्मत नहीं कराया जाता। यही वजह है कि इनका उपयोग खरीफफसल तक ही सीमित है। वर्षा आश्रित जलाशय होने के कारण यहां से रबी के लिए भी पानी नहीं मिलती। मरम्मत किए जाने से किसानों खरीफ के अलावा रबी के लिए भी पानी मिलेगा। समय पर मानसून का साथ नहीं देने से लघु परियोजना के जलाशय सिंचाई सुविधा के लिए उपयोगी साबित होंगे।

कोरबा सांसद 7 दिवसीय प्रवास पर, विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगी

कोरबा। कोरबा लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत 15 से 22 अप्रैल तक संसदीय क्षेत्र के प्रवास पर रहेंगी एवं विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत करेंगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रविवार को उनका कोरबा आगमन हुआ।

17 अप्रैल को सायं 6 बजे मेडिकल कॉलेज कोरबा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होंगी। रात्रि विश्राम कोरबा में करेंगी। 18 अप्रैल को स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगी। 19 अप्रैल को प्रातरू 10.30 बजे कोरबा से ग्राम राहा कटघोरा के लिए प्रस्थान करेंगी। दोपहर 5 बजे ग्राम कसरेंगा से बैकुंठपुर, जिला मनेंद्रगढ़.चिरमिरी-भरतपुर के लिए प्रस्थान करेंगी। शाम 7.30 बजे बैकुंठपुर, मनेंद्रगढ़.चिरमिरी.भरतपुर आगमन एवं रात्रि विश्राम करेंगी। 20 अप्रैल को प्रातरू 10.30 बजे बैकुंठपुर में आयोजित दिशा समिति की बैठक में सम्मिलित होंगी। 21 अप्रैल को प्रातरू 10.30 बजे बैकुंठपुर से मरवाही, गौरेला.पेण्ड्रा.मरवाही के लिए प्रस्थान करेंगी। दोपहर 12 बजे मरवाही आगमन एवं स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगी। दोपहर 4 बजे मरवाही से कोरबा के लिए प्रस्थान करेंगी। सायं 7.30 बजे कोरबा आगमन एवं रात्रि विश्राम करेंगी। 22 अप्रैल को प्रात: 10.30 बजे स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगी। दोपहर 4 बजे कोरबा से रायपुर के लिए प्रस्थान करेंगी। रात्रि 7.30 बजे स्पीकर हाऊस रायपुर पहुंचेंगी।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

बिना नाम लिए सचिन पायलट का अशोक गहलोत पर वार

जयपुर। कांग्रेस नेता सचिन पायलट जयपुर के शाहपुरा खोरी गांव में सीताराम महायज्ञ में शामिल हुए। वर्तमान में उनके हर कदम पर मीडिया की नजर है। हालांकि, बिना नाम लिए इशारों-इशारों में उन्होंने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि जितना भी हम आगे बढ़ें, पढ़े-लिखे, हमारा आर्थिक विकास हो लेकिन याद रखना वही वृक्ष बड़ा होता है जिसकी जड़ें मज़बूत होती हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अक्सर ऐसे व्यक्ति को देखा है जो धन प्राप्ति कर ले, सत्ता प्राप्ति कर ले तो पीछे मुड़कर नहीं देखता है। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि लोगों के बीच दरार पैदा करना सबसे आसान काम है, इसे 30 सेकंड में किया जा सकता है। किसी पर आरोप लगाना बहुत आसान है लेकिन सच बोलना और उसके लिए लड़ना सबसे जरूरी है। वर्तमान में दखें तो पायलट के गहलोत शासन के खिलाफ ताजा हमले ने मुख्यमंत्री के समर्थकों को नाराज और भ्रमित दोनों कर दिया है।

आप-कांग्रेस अपना भ्रष्टाचार छिपाना चाहती : भाजपा

नईदिल्ली। दिल्ली बीजेपी कार्यकारी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल और कांग्रेस दो अलग-अलग विचारधाराएं हैं। जिस तरह से मल्लिकार्जुन खड़गे ने अरविंद केजरीवाल को फोन किया, उससे पता चलता है कि दोनों भ्रष्ट पार्टियां अपना भ्रष्टाचार छिपाना चाहती हैं। दिल्ली भाजपा कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि अभी पूछताछ पूरी नहीं हुई है। मुझे लगता है कि उसे इसके पूरा होने का इंतजार करना चाहिए। सीबीआई ने अभी जांच शुरू की है लेकिन उन्होंने (अरविंद केजरीवाल) उन्हें प्रमाण पत्र देना शुरू कर दिया है। भाजपा नेता दुष्यंत कुमार गौतम ने कहा कि वह (अरविंद केजरीवाल) एक भ्रष्ट व्यक्ति हैं... वे (आप) दिल्ली के लोगों को गुमराह नहीं कर सकते। उन्होंने दिल्ली के विकास के लिए झूठे वादे किए लेकिन दिल्ली सरकार ने जो भी काम किया है उसमें सिर्फ भ्रष्टाचार है।

अतीक अहमद की हत्या पर नीतीश कुमार की प्रतिक्रिया

पटना। प्रयागराज में अतीक अहमद और अशरफ की हत्या पर राजनीति जबरदस्त तरीके से गर्म है। इस मामले को लेकर विपक्ष योगी सरकार पर निशाना साध रहा है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की भी इस पर प्रतिक्रिया आई है। अपने बयान में नीतीश ने कहा कि पुलिस को देखना चाहिए था जो जेल में हैं और उसे इलाज या अन्य चीज के लिए बाहर ले जा रहे थे और उसके साथ ऐसा रास्ते में हो जाए तो ये दुःखद है इसके खिलाफ निश्चित रूप से कार्रवाई होनी चाहिए। जो भी जेल में जाएगा तो क्या उसे मार देना चाहिए? यह फैसला तो कोर्ट करती है न? उन्होंने साफ तौर पर कहा कि पुलिस को उनकी सुरक्षा का ध्यान रखना चाहिए था। यूपी सरकार को राज्य में कानून व्यवस्था के बारे में सोचना चाहिए। न्यायालय न्याय प्रदान करने के लिए है, अपराधियों को मारना कभी समाधान नहीं है। बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कहा कि मुझे अपराध या अपराधियों के लिए कोई सहानुभूति नहीं है।

राउत एनसीपी प्रवक्ता की तरह की क्यों कर रहे बात : देसाई

मुंबई। एनसीपी प्रमुख शरद पवार की यदि वे दल बदलते हैं तो यह विधायकों का आह्वान है वाले बयान पर संजय राउत ने कहा कि जब हम (पवार के साथ) मिले, तो उन्होंने कहा कि जिस तरह से सीबीआई, ईडी, ईओडब्ल्यू और पुलिस के दबाव से शिवसेना को खंडित किया गया था, अब एनसीपी को खंडित करने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। दबाव होता है। धमकियां दी जा रही हैं लेकिन पूरी पार्टी बीजेपी के साथ नहीं जाएगी। दबाव में कुछ लोग पार्टी छोड़ सकते हैं। यह उनका व्यक्तिगत निर्णय होगा। उद्धव गुट के नेता के बयान पर महाराष्ट्र सरकार में मंत्री शंभूराज देसाई ने कहा कि संजय राउत एनसीपी में चले गए क्या? वे एनसीपी के प्रवक्ता हों वैसे बात कर रहे हैं। अजीत पवार एनसीपी के नेता है यह बात उनकी पार्टी के प्रवक्ता बोलेंगे। जहां तक अजीत पवार का विषय है वह उनके लोग बोलेंगे। अजीत पवार अगर कोई निर्णय लेंगे तो वे खुद सामने आकर बताएंगे।

सिसोदिया की ईडी केस में 29 तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

नईदिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट ने अब रद्द की जा चुकी आबकारी नीति में कथित अनियमितताओं से जुड़े मामले में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत एक बार फिर से बढ़ा दी गई है। शराब घोटाला मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत ईडी और सीबीआई से जुड़े आदेश में संशोधन किया। सिसोदिया की न्यायिक हिरासत अब अदालत ने सीबीआई मामले में 27 अप्रैल तक और ईडी मामले में 29 अप्रैल तक बढ़ा दी है। सिसोदिया ने आबकारी विभाग का नेतृत्व किया, जिस पर एक नई शराब नीति तैयार करने और लागू करने में अनियमितता करने का आरोप है, जिसके तहत कुछ विक्रेताओं को कथित तौर पर फायदा पहुंचाया गया था। दिल्ली की नई शराब नीति में भ्रष्टाचार के आरोप में केंद्रीय जांच ब्यूरो ने 26 फरवरी को मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार किया था।

देश में फैलाई जा रही नफरत : राहुल गांधी

लोकतंत्र पर हमला कर रहे आरएसएस-भाजपा के लोग

बेंगलुरु। कर्नाटक चुनाव को लेकर प्रचार में धार दिखनी शुरू हो गई है। कांग्रेस ने चुनाव जीतने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी आज राज्य के बीदर में थे। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। राहुल ने कहा कि भारत में अगर पहली बार लोकतंत्र की बात किसी ने की और उसे रास्ता दिखाया तो वो बसवन्ना जी थे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि दुख की बात है कि आज आरएसएस और भाजपा के लोग लोकतंत्र पर हमला कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बसवन्ना जी की सभी की भागीदारी, सभी के लिए एक जगह और सभी को एक साथ आगे बढ़ना चाहिए की सोच पर भाजपा और आरएसएस द्वारा हमला किया जा रहा है। वे भारत में नफरत और हिंसा फैला रहे हैं।

इसके साथ ही राहुल ने वहां के लोगों से कई वादें भी किए। राहुल ने कहा कि चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस पार्टी की सरकार कर्नाटक में जो 4 वादे कर रही है वो यह हैं पहला वादा गृह लक्ष्मी 2000 रुपए हर महिने महिलाओं को, दूसरा गृह ज्योति 200 यूनिट मुफ्त बिजली, तीसरा अन्न भाग्य 10 किलो चावल हर परिवार को, चौथा वादा युवा निधी 2 साल के लिए 3000 रुपए हर महिने ग्रेजुएट को और 1500 रुपए डिपलोमा होल्डर को दिए जाएंगे। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह वादे जो भी कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनेगा कैबिनेट बैठेक के पहले दिन पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि कांट्रेक्टर एसोसिएशन प्रधानमंत्री को पत्र लिखता है और कहता है कर्नाटक में 40त्न कमीशन लिया जा रहा है। नरेंद्र मोदी जी ने चिट्ठी का जवाब तक नहीं दिया। मैसूर सैंडल सॉप कॉरपोरेशन में करप्शन स्कैंडल होता है, रूक का बेटा 8 करोड़ रुपए के साथ पकड़ा जाता है, जॉब स्कैम होता और प्रधानमंत्री एक शब्द नहीं कहते हैं। ये 40% कमीशन लेते हैं ना ? तो इस आप इनको 40 सीट देना, 41 मत देना। भाजपा पर अपना हमला जारी रखते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि आप कर्नाटक में भाजपा को अच्छी तरह से जानते हैं। 40% कमीशन सरकार का नारा मैंने नहीं गढ़ा था, यह आप लोगों ने दिया था - कर्नाटक के लोगों ने।

मुख्यमंत्री बोम्मई ने राहुल गांधी पर किया पलटवार

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने राहुल गांधी की उनकी सरकार को '40 प्रतिशत कमीशन सरकार'' बताने वाली टिप्पणी पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता ने अभी तक अपने 'भ्रष्टाचार के आरोपपत्र' का जवाब नहीं दिया है। बोम्मई ने राहुल के रविवार को किए उस दावे को भी खारिज कर दिया कि कर्नाटक में उनकी पार्टी सत्ता में आएगी। उन्होंने पूछा, ''क्या वह यहां (कर्नाटक) जमीनी हकीकत से वाकिफ हैं?' मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के दौरान 'घोटालों' पर राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान उन्हें एक 'आरोपपत्र' भेजा था लेकिन उन्होंने अभी तक जवाब नहीं दिया है। बोम्मई ने कहा, 'उन (राहुल गांधी) पर 40 प्रतिशत कमीशन का आरोपपत्र है।' राहुल गांधी ने रविवार को यहां कहा था कि राज्य की इस सरकार पर '40 प्रतिशत कमीशन सरकार' का ठप्पा लगा हुआ है।

टीएमसी प्रमुख ने अमित शाह का मांगा इस्तीफा

मेरी सरकार गिराने की रच रहे साजिश : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से इस्तीफा मांगा है। उन्होंने साफ तौर पर शाह पर उनकी सरकार को गिराने का आरोप लगा दिया। ममता ने सवाल किया कि अमित शाह का कहना है कि पश्चिम बंगाल सरकार 2025 से आगे नहीं चल पाएगी, क्या संविधान बदला जा रहा है? उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मेरी सरकार के समय से पहले गिरने की धमकी देने के लिए गृह मंत्री अमित शाह को इस्तीफा देना चाहिए। ममता ने आरोप लगया कि भारत की रक्षा करने के बजाय, गृह मंत्री अमित शाह मेरी सरकार को गिराने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जब भी चुनाव होते हैं, भाजपा समुदायों का ध्रुवीकरण करने वाली टिप्पणी करती है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि हम एकजुट हुए, तो भाजपा 2024 में चुनाव हार जाएगी। उन्होंने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस के विधायकों को सुनियोजित तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा में गलत काम करने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही। इसके साथ ही ममता ने यह भी कहा कि केवल न्यायपालिका ही देश को बचा सकती है। ममता ने कहा कि हम लोकतंत्र को लेकर चलते हैं, हम साथ में काम करते हैं इसलिए कई बार नहीं बोलते हैं लेकिन हमसे कोई टकराएगा तो चूर-चूर हो जाएगा। सिर्फ मुझे ही नहीं बल्कि अरविंद केजरीवाल से भी इन्होंने टकराने का काम किया। उन्होंने सवाल किया कि क्या भाजपा में सभी स्वच्छ हैं?

बंगाल सरकार और न्यायपालिका के बीच की तकरार

कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अभिजीत गांगुली और पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के बीच शब्दों का आदान-प्रदान राज्य में राज्य सरकार और न्यायपालिका के बीच जारी तनाव को दर्शाता है।

न्यायमूर्ति गांगुली ने पिछले सप्ताह देखा कि सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय यदि आवश्यक हो तो टीएमसी के गिरफ्तार युवा नेता कुंतल घोष के आरोपों के संदर्भ में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी से पूछताछ कर सकते हैं। टीएमसी के राज्य महासचिव कुणाल घोष ने पलटवार करते हुए कहा कि (जस्टिस गांगुली को) कुर्सी छोड़कर सीधे राजनीति में प्रवेश करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आप जांच के प्रभारी हैं? आप पक्षपात का परिचय देकर जांच को समान रूप से प्रभावित कर रहे हैं।

कांग्रेस भ्रमित है या ये जानबूझकर किया जा रहा है : संजय सिंह

■ माकन के केजरीवाल से कोई सहानुभूति नहीं दिखाने वाले बयान पर आप नेता ने उठाए सवाल

नईदिल्ली। इन दिनों दिल्ली से लेकर देश के अलग-अलग राज्यों में विपक्षी एकता की कवायद जोर पकड़ रही है और राजनेताओं का मिलना-मिलाना भी खूब हो रहा है. लेकिन विपक्षी एकता, कम से कम दिल्ली में अभी के लिए एक असंभावित परिदृश्य की तरह लगता प्रतीत हो रहा है। जिसमें आप और कांग्रेस दोनों नेताओं के बीच ठन गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन के एक दिन बाद आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल को कोई सहानुभूति नहीं दिखानी चाहिए और उनकी पार्टी के सदस्य जो कानून का अभ्यास करते हैं, कथित आबकारी नीति घोटाले में अदालत में उनका और दिल्ली सरकार का प्रतिनिधित्व नहीं करने के लिए कहा है। कांग्रेस की तरफ से आए इस बयान के बाद अब बारी थी आम आदमी पार्टी की तरफ से प्रतिक्रिया देने की। आप राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने सोमवार को पूछा कि क्या कांग्रेस भ्रमित है या कोई खेल खेल रही है।

सीबीआई के समन मिलने वाले दिन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के केजरीवाल संग बातचीत का हवाला देते हुए सिंह ने सोमवार को कहा कि एक तरफ कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे जी फोन पर अरविंद केजरीवाल का समर्थन करते हैं, दूसरी तरफ अजय माकन एक बयान देते है। कांग्रेस भ्रमित है या आपस में बात नहीं करती? या यह जानबूझकर है। संजय सिंह ने यह भी आरोप लगाया कि लगता है कि माकन ने भारतीय जनता पार्टी के साथ सौदा फिक्स कर लिया है। अजय माकन का भाजपा के साथ क्या संबंध है? या उन्होंने भाजपा के साथ क्या समझौता किया है, यह तो वही बता सकते हैं।

बता दें कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला बोलते हुए रविवार को कहा कि भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों का सामना कर रहे आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और उनके सहयोगियों को कोई सहानुभूति या समर्थन नहीं दिया जाना चाहिए। पूर्व केंद्रीय मंत्री माकन का यह रुख कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व के बिल्कुल विपरीत है। माकन ने ट्वीट करते हुए कहा कि मेरा मानना है कि केजरीवाल जैसे लोगों और उनके साथियों को, जिन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं, किसी तरह की सहानुभूति या समर्थन नहीं दिया जाना चाहिए।

मानहानि मामले में केजरीवाल और संजय सिंह को समन

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद जिले की एक अदालत ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह को गुजरात विश्वविद्यालय द्वारा दायर एक आपराधिक मानहानि की शिकायत में समन जारी किया है, जिसमें नरेंद्र मोदी की शैक्षणिक डिग्री विवाद के संबंध में दोनों द्वारा कथित अपमानजनक बयान दिए गए थे। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट जयेशभाई चोवाटिया की अदालत ने गुजरात विश्वविद्यालय द्वारा उसके रजिस्ट्रार डॉ. पीयूष एम.पटेल के माध्यम से केजरीवाल और सिंह के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 500 के तहत दायर एक आपराधिक शिकायत पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। कोर्ट ने अपने आदेश में उनके खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला पाया। शिकायत में उन पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में व्यंग्यात्मक और मानहानिकारक बयान देने और मोदी की डिग्री को लेकर विश्वविद्यालय को निशाना बनाने वाले ट्विटर हैंडल पर आरोप लगाया गया है।

खेल
प्रमुख समाचार

वेदांत ने तैराकी चैंपियनशिप में जीते 5 गोल्ड मेडल

नईदिल्ली। अभिनेता आर माधवन एक गौरवान्वित पिता हैं क्योंकि उनके बेटे वेदांत ने तैराकी चैंपियनशिप में भारत के लिए पांच स्वर्ण पदक जीते। वेदांत ने सप्ताहांत में कुआलालंपुर में आयोजित मलेशिया इन्विटेशनल एज ग्रुप स्विमिंग चैंपियनशिप में यह स्वर्ण पदक जीते हैं। अपनी खुशी को साझा करते हुए, अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर अपने बेटे की तस्वीर पोस्ट की और लिखा कि भगवान की कृपा और आप सभी की शुभकामनाओं के साथ, वेदांत को भारत के लिए 5 स्वर्ण (50 मीटर, 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर और 1500 मीटर) 2 पीबी के साथ मिले। कुआलालंपुर में इस सप्ताह के अंत में आयोजित मलेशियाई इन्विटेशनल एज ग्रुप स्विमिंग चैंपियनशिप, 2023 में। मैं उत्साहित और बहुत आभारी हूं। फोटो में उनके बेटे को भारतीय ध्वज और पदकों के साथ प्रस्तुत किया गया है। जैसे ही उन्होंने पोस्ट शेयर की, उनके दोस्तों और प्रशंसकों ने कमेंट सेक्शन में प्यार की बौछार कर दी। इस बड़ी खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए अभिषेक बच्चन ने लिखा, कितना अद्भुत। बधाई हो वेदांत। सुरिया ने भी अभिनेता को बधाई दी और लिखा, यह खूबसूरत है वेदांत, सरिता, और आप और टीम को हार्दिक बधाई। यह पहली बार नहीं है जब वेदांत ने किसी टूर्नामेंट में बड़ी जीत हासिल की है। वह पिछले कुछ वर्षों से जीत की लय पर है और उसने कई पदक और प्रतिष्ठित टूर्नामेंट जीते हैं।

इस साल फरवरी के महीने में खेलो इंडिया 2023 टूर्नामेंट में टीम महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने वाले वेदांत ने टूर्नामेंट में पांच स्वर्ण पदक और दो रजत पदक जीते। पिछले साल जुलाई में, वेदांत ने 48वीं जूनियर नेशनल एक्वेटिक चैंपियनशिप में राष्ट्रीय जूनियर तैराकी रिकॉर्ड तोड़ा और 1500 मीटर फ्रीस्टाइल तैराकी प्रतियोगिता जीती।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 520 अंक गिरकर 60 हजार के नीचे आया

नईदिल्ली। लगातार नौ कारोबारी दिनों तक तेजी रहने के बाद सोमवार को घरेलू शेयर बाजारों के दोनों प्रमुख सूचकांक भारी बिकवाली के दबाव में टूट गए। मुख्य रूप से आईटी, प्रौद्योगिकी एवं दूरसंचार कंपनियों के शेयरों में अधिक बिकवाली से बीएसई सेंसेक्स 520 अंक नुकसान में रहा। दिग्गज आईटी कंपनी इंफोसिस के शेयर भारी बिकवाली की वजह से नौ प्रतिशत से अधिक टूट गए। इसके अलावा एचडीएफसी लिमिटेड और एचडीएफसी बैंक के शेयरों के भी गिरने से सूचकांकों में गिरावट रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 520.25 अंक यानी 0.86 प्रतिशत गिरकर 59,910.75 अंक पर आ गया। कारोबार के दौरान एक समय यह 988.53 अंक तक लुढ़क गया था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का मानक सूचकांक निफ्टी भी 121.15 अंक यानी 0.68 प्रतिशत गिरकर 17,706.85 अंक पर आ गया।

भारत में आज खुलेगा एप्पल का पहला रिटेल स्टोर

मुंबई। भारत में एप्पल के यूजर्स के लिए बहुत अच्छी खबर है। मुंबई में इस दिग्गज का कंपनी का पहला रिटेल स्टोर खुलने वाला है। यह स्टोर 20,000 स्क्वायर फीट में फैला है और यह ग्लोबल लेवल पर मौजूद स्टोर्स जैसा ही है लेकिन इसमें कुछ खास नए फीचर्स भी जोड़े गए है। मुंबई में एप्पल बीकेसी स्टोर आम लोगों के लिए 18 अप्रैल को खुलेगा जबकि दूसरा स्टोर दिल्ली के साकेत में लोगों के लिए 20 अप्रैल को खुल जाएगा। एप्पल रिटेल स्टोर पर कस्टमर कंपनी के अलग-अलग प्रोडक्ट को खरीद सकते हैं। इसके अलावा प्रोडक्ट्स का एक्सपीरिएंस भी लिया जा सकता है। अमेरिकी टेक कंपनी इंडियन कस्टमर्स को बेहतर सर्विस उपलब्ध कराएगी। बता दें कि इंडिया में अभी तक कंपनी का खुद का रिटेल स्टोर नहीं था। डिजाइन के मामले में इस स्टोर को ऐसे फीचर्स दिए गए हैं, जो इंडियन टच का अनुभव देते हैं।

मार्च में थोक महंगाई दर घटकर 29 माह के निचले स्तर पर आई

नईदिल्ली। थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित इन्फ्लेशन मार्च 2023 में घटकर 29 महीने के निचले स्तर 1.34 प्रतिशत पर आ गई। यह फरवरी में 3.85 प्रतिशत पर थी। सरकार के आंकड़ों के अनुसार, यह लगातार दसवां महीना है जब थोक महंगाई की दर में गिरावट आई है। बेसिक मेटल्स, खाद्य उत्पादों की कीमतों में कमी नरमी से इसमें कमी आई है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को जारी बयान में कहा, बुनियादी धातुओं, खाने पीने की चीजों, कपड़ों, गैर-खाद्य वस्तुओं, खनिजों, रबर और प्लास्टिक उत्पादों, कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस और कागज और कागज उत्पादों की कीमतों में नरमी की वजह से इन्फ्लेशन की दर में मुख्य रूप से गिरावट आई है। गेहूं और दालों में महंगाई मार्च में क्रमश: 9.16 प्रतिशत और 3.03 प्रतिशत रही, जबकि सब्जियों में यह 2.22 प्रतिशत रही। वहीं। तिलहन में इन्फ्लेशन मार्च 2023 में 15.05 प्रतिशत थी।

वॉल्वो कार इंडिया की बिक्री जनवरी-मार्च में 38% बढ़ी

नईदिल्ली। वॉल्वो कार इंडिया ने इस वर्ष जनवरी से मार्च के बीच 544 इकाई बेची हैं जो पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 38 फीसदी अधिक है। पिछले वर्ष जनवरी से मार्च के बीच कंपनी ने 393 इकाई की बिक्री की थी। कंपनी ने एक बयान में बताया कि बिक्री बढ़ने में सबसे ज्यादा योगदान एक्ससी60 का है जिसकी बिक्री 27 फीसदी बढ़ी है। स्थानीय स्तर पर तैयार की जाने वाली पूर्ण रूप से इलेक्ट्रिक एक्ससी40 की इस दौरान 138 इकाई बिकी जो पूरी बिक्री का 25 फीसदी है। वॉल्वो कार इंडिया के प्रबंध निदेशक ज्योति मल्होत्रा ने कहा, ''बिक्री में 38 फीसदी की वृद्धि इस बात की पुष्टि करती है कि हमारे महंगे वाहनों की पेशकश में ग्राहकों की अच्छी दिलचस्पी है।'

आर्थिक हिचकोलों के बीच सियासत और सरकार का गणित

अनंत मित्तल

भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियाद पुख्ता होने के तमाम दावों के बीच अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने वर्ष 2023-24 के लिए हमारी वृद्धि दर का अनुमान 5.9 फीसदी तक घटा कर आसन्न संकट का डंका पीट दिया है। इसकी वजह वैश्विक अर्थव्यवस्था की दर तीन फीसदी से घटकर 2.8 फीसदी रह जाने का नया अनुमान है। आईएमएफ के अनुसार, यों भी भारत में मुद्रास्फीति की दर पिछले 17 महीने से छह फीसदी या उससे ज्यादा ही है। बजट दस्तावेज भी वर्ष 2023-24 में औसतन 5.3 फीसदी मुद्रास्फीति की आशंका जता रहा है। इस साल मानसून में भी करीब 10 फीसदी कमी के चलते महंगाई से निजात मुश्किल लग रहा है।

पिछले साल मानसून 106 फीसदी बरसा था, मगर इस साल मौसम विभाग ने उसके 96 फीसदी ही बरसने का अनुमान लगाया है। प्रशांत महासागर में अल नीनो से मानसूनी बारिश कम हो सकती है। मौसम विभाग 100 फीसदी से चार फीसदी अधिक अथवा कम बारिश को सामान्य ही मानता है, मगर बारिश में दस फीसदी की कमी के असर को किसान बखूबी समझता है। महामारी के दौरान लॉकडाउन के चलते ज्यादातर मुल्कों की वृद्धि दर नकारात्मक यानी शून्य से भी पांच से आठ फीसदी नीचे गिर चुकी है। तभी से दुनिया मंदी में जकड़ी हुई है। रेटिंग एजेंसी पीडब्लूसी यानी प्राइस वाटरहाउस कूपर्स का ताजा सर्वेक्षण भी भारत में अगले छह माह तक 63 फीसदी लोगों द्वारा खर्च में कटौती की चिंताजनक तस्वीर दिखा रहा है। हरेक वर्ग के उपभोक्ताओं से बातचीत पर आधारित यह सर्वेक्षण देश में 20 फीसदी लोगों द्वारा कंजूसी से खर्च करने की आशंका जता रहा है।

महंगाई पीड़ित अधिकतर लोगों ने अगले छह महीने तो सिर्फ खाने-पीने, स्कूल फीस, मकान किराये, बस-मेट्रो किराये, इलाज आदि जरूरी मदों में ही खर्च करने का रुझान दिखाया है। उनके अनुसार, मांग और खपत की भारी कमी से मंदे हुए धंधे ने जेब खाली कर दी है। उपर से महंगाई की मार कमर तोड़ रही है। मूडीज के अनुसार, वर्ष 2022-23 की तीसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की दर 4.4 फीसदी तक गिरने से हालात बिगड़े हैं, जिन्हें चालू माली साल भी झेलेगा। वर्ष 2022-23 की दूसरी तिमाही में जीडीपी 8.8 फीसदी बढ़ी थी, मगर भारी महंगाई ने मांग पर पानी फेर दिया। उससे उत्पादन में कटौती हुई, तो तीसरी तिमाही में वृद्धि दर आधी रह गई। हमारी जीडीपी में 60 फीसदी योगदान मांग आधारित खपत का है। सो खपत घटी, तो वृद्धि दर भी गिरी! भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास भी खपत घटने पर चिंतित हैं, मगर वृद्धि का अनुमान 6.5 फीसदी लगा रहे हैं। जबकि विश्व बैंक भी इसका अनुमान 6.3 फीसदी तक घटा चुका है। केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति रोकने के लिए मई, 2022 से 31 मार्च, 2023 के बीच ब्याज दर में 250 बीपीएस का इजाफा कर चुका है। इससे मुद्रास्फीति तो घटी, पर कर्ज महंगा हो गया। सुस्त अर्थव्यवस्था में चुनावी मौसम में जान फूंकने के लिए रिजर्व बैंक ने इस महीने ब्याज दर और नहीं बढ़ाई। इससे रियल एस्टेट की खरीद-फरोख्त में तेजी की संभावना है। उससे बैंकिंग और कोर सेक्टर, जैसे-सीमेंट, इस्पात आदि उद्योगों का पहिया भी तेज घूम सकता है। सरकार द्वारा मार्च, 2023 में जीएसटी की उगाही, ई वे बिल, बैंक से कर्ज की मांग तथा कार, दोपहिया की बिक्री में तेजी को खपत बढ़ने का संकेत बताया जा रहा है। मार्च में सरकारी विभागों और निजी संस्थानों में बजट खर्च करने की होड़ वैसे भी खपत बढ़ा देती है। इन्हें मांग में तेजी और मंदी की विदाई वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में मांग बढ़ने पर ही मानी जाएगी। मंदी को असल झटका गांवों में उपभोक्ता सामान की मांग बढ़ने पर लगेगा। फिलहाल पस्त पड़ी ग्रामीण मांग में तेजी रबी की फसल बिकने पर आ सकती है। खुदरा मूल्य आधारित मुद्रास्फीति फरवरी, 2023 में 6.44 से घटकर मार्च में 5.66 फीसदी दर्ज हुई है। इससे कर्नाटक की चुनावी राह भाजपा के लिए भले ही थोड़ी आसान हो जाए, मगर झटके खाती अर्थव्यवस्था से सरकार की चुनौतियां बढ़नी तय है।

ईमानदार की कलई खुलने से जनता को लगा धक्का

नीरज कुमार दुबे

जन लोकपाल के लिए हुए आंदोलन से उपजी आम आदमी पार्टी से देश को बड़ी उम्मीदें थीं इसलिए देश की राजनीति को बदलने का वादा करने वाले अरविंद केजरीवाल को दिल्ली की जनता ने पहले चुनावी मुकाबले में ही सत्ता तक पहुँचा दिया। लेकिन सत्ता मिलते ही केजरीवाल राजनीति को बदलने का उद्देश्य भूल गये और खुद को ही बदल डाला। अन्ना हजारे ने जिस लोकपाल की बात कही थी वह लोकपाल नहीं बनाया, केजरीवाल ने कहा था कि सरकारी सुरक्षा, सरकारी बंगला और गाड़ी नहीं लूंगा लेकिन वह सब भी लिया। केजरीवाल ने कहा थ ा कि हम कट्टर ईमानदारी का परिचय देंगे लेकिन आम आदमी पार्टी ने झाड़ू को किनारे रख कर भ्रष्टाचार रूपी गंदगी को फैलाना शुरू कर दिया। केजरीवाल की सरकार में उपमुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया शराब घोटाला मामले में जेल गये, स्वास्थ्य मंत्री रहे सत्येंद्र जैन को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद हुए लगभग साल भर होने वाला है। इससे पहले केजरीवाल की सरकार में मंत्री रहे संदीप कुमार का सेक्स स्कैंडल सामने आने पर उन्हें मंत्री पद छोड़ना पड़ा था। उससे पहले केजरीवाल सरकार में गृह मंत्री रहे जितेंद्र तोमर को फर्जी डिग्री विवाद में मंत्री पद छोड़ना पड़ा था। इसके अलावा केजरीवाल की सरकार में खाद्य और आपूर्ति मंत्री रहे असीम अहमद खान को रिश्वत मामला सामने आने पर मंत्री पद छोड़ना पड़ा था। हाल ही में केजरीवाल सरकार में मंत्री रहे राजेंद्र पाल गौतम को भी हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ विवादित बयान के चलते मंत्री पद छोड़ना पड़ा था। अब खुद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सीबीआई ने शराब घोटाला मामले में पूछताछ के लिए तलब किया है। इस प्रकार यह आम आदमी पार्टी के सिर्फ दिल्ली के कट्टर ईमानदार नेताओं की एक छोटी-सी तस्वीर है। राष्ट्रीय स्तर पर यह तस्वीर और व्यापक है।

चूंकि आम आदमी पार्टी के नेता आजकल अपनी शैक्षिक योग्यता बता रहे हैं इसलिए उनसे पूछा जाना चाहिए कि यह कैसी पढ़ाई लिखाई है कि अरविंद केजरीवाल अर्थव्यवस्था के हालात सुधारने के लिए नोटों पर भगवान की तस्वीर छापने की सलाह देते हैं। यह कैसी कट्टर ईमानदारी है कि केजरीवाल घोटालों के आरोपों का सामना कर रहे लालू यादव से हाथ मिलाते हैं और उनके बेटे तेजस्वी यादव के साथ गठबंधन पर बात करते हैं? यह कैसी कट्टर ईमानदारी है कि केजरीवाल आज उन नेताओं का समर्थन मिलने से गद्गद् होते हैं जिन पर कभी वह महाभ्रष्टाचारी होने के आरोप लगाया करते थे? यह कैसी कट्टर ईमानदारी है कि हर चुनाव के समय आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं पर टिकट बेचने के आरोप उनके अपने ही कार्यकर्ता लगाते हैं? साथ ही यह कैसी समाजसेवा है कि राजनीति में प्रवेश के समय आप शराब की दुकानों पर प्रतिबंध की बात करते हैं और सत्ता मिलते ही गली गली में शराब की दुकानें खुलवा देते हैं और दारू की एक बोतल पर दूसरी बोतल फ्री देने लगते हैं? केजरीवाल और उन जैसे तमाम नेता जो केंद्र सरकार पर सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हैं उन्हें समझना चाहिए कि कोई भी एजेंसी सजा तो देती नहीं है। एजेंसी पूछताछ के दौरान हासिल किये गये तथ्यों से न्यायालय को अवगत करायेगी और यदि न्यायालय संतुष्ट हुआ तभी आगे की विधिक कार्रवाई होगी। इसलिए अनर्गल आरोप-प्रत्यरोप से बचना चाहिए और एजेंसियों के साथ सहयोग करना चाहिए।

अतीक की हत्या पर उठते सवाल

प्रभुनाथ शुक्ल

माफिया अतीक अहमद और उसके भाई असरफ के आतंक का अंत इस तरीके से होगा इसकी उत्तर प्रदेश पुलिस और खुद अतीक और उसके परिवार को इसकी कल्पना नहीं रहीं होगी। लेकिन यह सच था कि पुलिस की कार्रवाई को लेकर वह सहमा था। उसके भीतर कहीं न कहीं यह भय था कि उसकी भी हत्या कि जा सकती है। झाँसी में बेटे असद के एनकाउंटर के बाद उसका डर और गहरा हो गया था। इस घटना के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस और राज्य की कानून व्यवस्था सवालों के घेरे में है। सवाल उठता है कि इतनी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में अतीक और असरफ की हत्या कैसे हुई।

विपक्ष का सवाल उठाना लाज़मी है कि फिर कानून व्यवस्था का क्या मतलब है? क्योंकि अतीक माफिया भले था लेकिन उसी प्रयागराज से पांच बार विधायक और एक बार सांसद रह चुका था। जिस तरह पुलिस अभिरक्षा में घूस कर तीन युवकों ने गोली मार कर हत्या कि वह अपने आप में बड़ा सवाल है। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती, अखिलेश यादव और ओवैसी ने इस हत्या की तीखी आलोचना की है। उधर सपा के महासचिव रामगोल यादव ने अतीक के बाकि बचे बेटों के हत्या की भी आशंका जतायी है। उन्होंने इसे सुनियोजित हत्या बताया है। योगी सरकार ने इस घटना की रिपोर्ट केंद्रीय गृहमंत्रालय को भी भेजा है।

पुलिस अभिरक्षा में अतीक और असरफ की हत्या की घटना को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंभीरता से लिया है। राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़े न इसके लिए राज्य पुलिस को कड़े निर्देश दिए गए हैं। प्रयागराज में जहाँ इंटरनेट बंद कर दिया गया है। वहीं पूरे प्रदेश में धारा 144 लागू कर दी गयीं है। घटना के सम्बन्ध में 17 पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। राज्य पुलिस मुख्यालय से पांच आईपीस अफसरों को कानून-व्यवस्था निगरानी और समीक्षा के लिए भेजा गया है।

अब अतीक की हत्या को मजहबी रंग भी दिया जाने लगा है। लेकिन कानून-व्यवस्था पर तो सवाल तो उठेगा ही। निश्चित रुप से अतीक और उसके गुर्गो को उसके गुनाहों की सजा मिलनी चाहिए थी। इसके लिए संवैधानिक गतिविधियां अपनायी गयीं थीं। प्रयागराज की एमपी-एमएलए कोर्ट ने उमेशपाल हत्याकाण्ड में अतीक के खिलाफ सजा भी सुनायी थी। साबरती से उसे दूसरी बार पुलिस रिमांड पर प्रयागराज ले आया गया था। माफिया डॉन अबू सलेम और पाकिस्तान कनेक्शन पर भी धूमनगंज थाने में पूछताछ हो रहीं थी। लेकिन जिस तरह अतीक की हत्या को अंजाम दिया गया वह किसी बड़ी साजिश की तरफ इशारा करती है।

प्रयाराज में मेडिकल परिक्षण के दौरान अतीक और उसके भाई की हत्या को लेकर उसकी अभिरक्षा में लगी पुलिस भी सवालों को घेरे में हैं। सवाल उठता है कि रात में जिस समय अतीक पर हमलावर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा रहे थे उस दौरान पुलिस क्या कर रहीं थी। पुलिस ने काउंटर फायरिंग क्यों नहीं किया। अतीक कोई मामूली कैदी नहीं था वह पांच बार का विधायक और सांसद रह चुका था। वह बेहद हाईप्रोफ़ाइल व्यक्ति था उसकी हत्या कोई सामान्य बात नहीं है।

जब आरोपित गोलियां बरसा रहे थे तो पुलिस को उन पर कवर फायरिंग करना था। लेकिन पुलिस ने ऐसा क्यों नहीं किया। इस मीडिया रिपोर्ट में अतीक का जो वीडियो आया है उसमें साफ दिख रहा है कि उसे एकदम सटाकर गोली मारी गयीं। आरोपित ताबड़तोड़ गोली मारते रहे और पुलिस मौन ही। इस घटना में एक पुलिस वाले और पत्रकार के घायल होने की खबर है। लेकिन पुलिस ने ऐसा नहीं किया, हमलावर आराम से हत्या कर हथियार डाल कर पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करते हैं। अगर पुलिस की कवर फायरिंग में तीन में किसी भी बदमाश को गोली लगती तो पुलिस की भूमिका पर सवाल न उठते।

प्रयागराज में अतीक की हत्या किसी बड़े इशारे की ओर इंगित करती है। हत्या के आरोपित जिन तीन युवकों का नाम आ रहा है उसमें लवलेश तिवारी बांदा, अरुण मौर्या कासगंज और सनीसिंह हमीरपुर शामिल हैं। यह तीनों बड़े अपराधी हैं। लेकिन अतीक की हत्या के लिए तीनों का एक साथ आना बड़े सवाल खड़े करता है। कहीं तीनों अतीक के गैंग से ही नहीं जुड़े थे। अतीक से हुई पुलिस पूछताछ में इनका नाम भी तो नहीं आ रहा था। दूसरी बात जांच के दायरे में कोई बड़ा आदमी तो नहीं फंस रहा था। जिसने अपनी गर्दन बचाने के लिए ऐसी साजिश रची।

मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि तीनों एक लाज में रुके थे। लेकिन उन्हें कैसे पता था कि अतीक को इसी अस्पताल में मेडिकल परीक्षण के लिए लाया जाएगा। घटना को अंजाम देने से पूर्व रेकी की भी बात आयी है। निश्चित रुप से यह एक सुनियोजित प्लानिंग थी। जिसकी वजह से आरोपित मीडियाकर्मी बनकर घटना को अंजाम दिया। इस घटना का सच सामने आना चाहिए। निश्चित रुप से इसमें कोई बड़ा नाम भी हो सकता है। लेकिन राज्य की कानून-व्यवस्था पर अतीक और असरफ की हत्या बड़ा सवाल छोड़ गयीं है। इस घटना का पर्दाफांस हर स्थिति में होना चाहिए। इस तरह अतीक की हत्या क्यों की गयीं। यह सिर्फ अतीक की हत्या ही नहीं राज्य की कानून व्यवस्था और उसकी पुलिस से भी जुड़ा बड़ा सवाल है। इस घटना की ज़मीनी सच्चाई सामने आनी चाहिए।

प्रसंग — अंहकार का परिणाम

हाजी मुहम्मद नामक एक मुसलमान सन्त हो गये हैं। उन्होंने साठ बार हज यात्रा की थी और वे प्रतिदिन नियमित रूप से पाँच वा पढ़ते थे। एक दिन उन्होंने स्व में देखा कि स्वर्ग और नरक की सोमा पर एक फर एक छड़ो लेकर खड़ा है। जो भी मृतात्मा वहाँ आती, उससे वह उसके शुभ और अशुभ कर्मों के बारे में पूछताछ करता और उनके अनुसार स्वर्ण या नरक में भेजता था। जब हाजी मुहम्मद को बारी आयी तो फरिश्ते ने पूछा तूने अपने जीवन में कौन से शुभ कर्म किये हैं? साठ बार हज किया है, हाजी ने उत्तर दिया। हाँ यह तो ठीक है, मगर क्या तू जानता है कि इसका तुझे बड़ा गुमान है? इसी कारण जब भी कोई तुझसे तेरा नाम पूछता था, तो तू हाजी मुहम्मद बताता था। तेरे इसी गुमान के कारण हज जाने का जो भी फल तुझे मिलना था, वह सारा का सारा नष्ट हो गया। इसके अलावा यदि तूने कोई अच्छा काम किया हो, तो बता दे। मैं साठ साल से पाँचों वक्त नमाज पढ़ता आ रहा हूँ। तेरा वह भी पुण्य नष्ट हो गया। वह क्यों ? याद है तुझे, एक बार कुछ धर्मजिज्ञासु तेरे पास आये थे। उस दिन तूने केवल दिखावे के कारण रोज से ज्यादा देर नमाज पढ़ी था। यही कारण है कि तेरी सात बरस की नमाज की तपस्या निष्फल हो गयी। यह सुन हाजी को बड़ा दु:ख हुआ। पश्चाताप दग्ध हो उनकी आँखों से आँसू बहने लगे। अचानक उनकी आँख खुली और उन्होंने अपने को सोता हुआ पाया। वे जान गये कि यह तो ख्वाब था, किन्तु अब उनको अन्दर की आँखें भी खुल गयीं। उन्होंने गरूर और नुमाइश से हमेशा के लिये तौबा कर ली और वे नम्र बन गये।

आज की महत्वपूर्ण घटनाएं

1952 पश्चिमी जर्मनी और जापान ने राजनयिक संबंध स्थापित किये।

1955 महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन का निधन हुआ।

1958 विवादास्पद अमेरिकी कवि एजरा पाउंड को वाशिंगटन डी.सी. के सेंट एलिजाबेथ अस्पताल से रिहा कर दिया गया था, जहां उन्हें बारह साल तक कैद रखा गया था।

1971 वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरी पारी में सुनील गावस्कर ने 220 रन बनाए। उन्होंने पहले बल्लेबाजी करते हुए 124 रन बनाए थे।

1983 1983 में बेरूत के संयुक्त राज्य अमेरिका दूतावास पर बमबारी से 63 लोग मारे गए।

1994 वेस्टइंडीज के बल्लेबाज़ ब्रायन लारा ने 375 रन बनाकर टेस्ट मैच की एक पारी में सर्वाधिक रन बनाने का विश्व रिकार्ड बनाया।

1994 98 वाँ बोस्टन मैराथन केन्या के कोस्मस नडेती ने जीता था। उन्होंने सिर्फ 2 घंटे 7 मिनट 15 सेकंड में मैराथन पूरी की।

1996 न्यूयॉर्क शहर के सेंट जेम्स थिएटर में मजेदार बात हुई जारी किया गया था। यह 715 दिनों तक हाउसफुल चला।

1996 इजरायली सेनाओं ने ऑपरेशन ग्रैप्सॉफ क्रोध के दौरान काना, लेबनान पर हमला किया।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

शाण्डिल्यापोनषद् (भाग-06)

गतांक से आगे...

मल- मूत्र का बहिर्गमन कराना अपान वायु का कार्य कहलाता है। त्याग करना एवं स्वीकार करना आदि चेष्टाएँ व्यान का कार्य कहलाती हैं, शरीर का उन्नयन उदान का कार्य कहलाता है। शरीर को पोषण प्रदान करना समान का कार्य कहलाता है। डकार आदि नाग का कार्य है। पलक झपकाना कूर्म का कार्य है, भूख लगना कृकर का कार्य है। आलस्य देवदत्त का कार्य है तथा कफ आदि का उत्पन्न करना धनञ्जय का कार्य कहलाता है।

इस तरह से नाड़ी-संस्थान, वायु संस्थान एवं उन सभी के कार्यों को ठीक तरह से जान-समझ कर नाड़ी को शुद्ध करना चाहिए।

जिस पुरुष ने विद्या का अभ्यास किया हो, उसको यम-नियम से युक्त होकर सभी तरह की संगति का परित्याग करके सत्य रूपी धर्म में आरूढ़ होना चाहिए। क्रोध को वश में रखना, गुरु की सेवा शुश्रूषा में सतत लगे रहना, माता-पिता के आश्रित (संरक्षण में) रहना तथा पुन: अपने आश्रम में बताये गये श्रेष्ठ आचरण को समझने वाले के समीप में शिक्षा पाकर के फल, मूल तथा जलयुक्त तपोवन में जाना चाहिए। वहाँ जाकर सुरम्य प्रदेश में ब्रह्मघोष से युक्त, अपने धर्म में परायण ब्रह्मवेत्ताओं के सान्निध्य में तथा फल-मूल, पुष्प एवं जल आदि से परिपूर्ण किसी भी देव स्थल में या नदी के तट पर किसी गाँव या शहर में अनुपम श्रेष्ठ मठ बनाना चाहिए।

वह स्थान न तो बहुत ऊँचा हो और न ही अत्यन्त नीचा ही हो, न तो बहुत लम्बा तथा न ही अति चौड़ा ही हो। छोटे दरवाजे वाला, गोमय आदि से लीपा हुआ एवं पूर्णरूपेण सुरक्षित होना चाहिए। वहाँ वेदान्त का श्रवण करते हुए पुरुष को निरन्तर योगाभ्यास आदि आरम्भ कर देना चाहिए।

देवों में प्रथम पूज्य गणपति का पूजन करने के पश्चात् अपने इष्टदेव को नमन वंदन करके पूर्व में कहे गये आसन पर बैठना चाहिए। उस समय पूर्व अथवा उत्तर दिशा की तरफ मुख रखना और सुकोमल आसन पर आसीन होकर के आसन को जय (सिद्ध) करना चाहिए।

तत्पश्चात् विद्वान् पुरुष को गर्दन और मस्तक को सीधा रखकर नासिका के अग्रभाग पर दृष्टि रखनी चाहिए। दोनों भौंहों के मध्य चन्द्रमण्डल को देखना तथा दोनों नेत्रों से अमृत तत्त्व का पान करना चाहिए। इसके बाद बारह मात्राओं से इड़ा नाड़ी के माध्यम से वायु खींचकर उसे पेट के अन्दर रहने वाले, ज्वालाओं से युक्त, रेफ और बिन्दु सहित अग्नि मण्डल से संयुक्त करने का ध्यान (चिन्तन) करना चाहिए तथा इसके बाद पिंगला नाड़ी द्वारा अन्दर की वायु को बाहर निकालना चाहिए। तदनन्तर पिंगला से वायु भरकर अन्त: कुम्भक करके इड़ा नाड़ी से उसे बाहर निकालना चाहिए।

क्रमश:...

विश्व धरोहर दिवस

शिवानी अवस्थी

विश्व धरोहर दिवस को विश्व विरासत दिवस भी कहते हैं। हर साल 18 अप्रैल को विश्व विरासत दिवस मनाया जाता है। इसे शुरुआत में विश्व स्मारक दिवस के तौर पर मनाया जाता था। हालांकि यूनेस्को ने इस दिन को विश्व विरासत दिवस या धरोहर दिवस के रूप में बदल दिया। दुनियाभर में कई ऐसी विश्व विरासत या धरोहरें हैं जो वक्त के साथ जर्जर होती जा रही हैं। इन विरासतों के स्वर्णिम इतिहास और इनके निर्माण को बचाए रखने के लिए विश्व धरोहर दिवस मनाया जाता है। दरअसल, सालों पहले हुए निर्माण वक्त के साथ बूढ़े होने लगते हैं। ऐसे में जरूरी है कि वह अपनी निर्मित स्थिति में बने रहें और उनकी जर्जर होती अवस्था को सुधारकर सालों साल उसी स्थिति में बरकरार रखा जाए। इसलिए विश्व धरोहर दिवस मनाकर इस उद्देश्य को बरकरार रखा जाता है। यह दिन हर उस देश के लिए खास है जो अपनी संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहरों, यूनिक निर्माण शैली, इमारतों और स्मारकों की खूबसूरती को बरकरार रखना चाहता है और आने वाली हर पीढ़ी को इनके महत्व के

बारे में बताना चाहता है। दुनिया में कई सारी विश्व धरोहरें हैं। यूनेस्को हर साल लगभग 25 धरोहर को विश्व विरासत की लिस्ट में शामिल करता है, ताकि उन धरोहरों का संरक्षण किया जा सके। अगली स्लाइड्स में जानिए कि विश्व विरासत दिवस या विश्व धरोहर दिवस कब मनाया जाता है। विश्व धरोहर दिवस मनाने की शुरुआत कब से हुई, इसके इतिहास और महत्व के बारे में जानें।

1968 में एक अंतरराष्ट्रीय संगठन ने दुनिया भर की प्रसिद्ध इमारतों और प्राकृतिक स्थलों की सुरक्षा का प्रस्ताव पहली बार प्रस्तुत किया था, जिसे स्टॉकहोम में आयोजित हुए एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पारित कर दिया गया। उसके बाद यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सेंटर की स्थापना हुई। उस समय 18 अप्रैल 1978 में विश्व स्मारक दिवस के तौर पर इस दिन को मनाने की शुरुआत हुई। उस दौरान विश्व में कुल 12 स्थलों को ही विश्व स्मारक स्थलों की सूची में शामिल किया गया था। बाद में 18 अप्रैल 1982 को ट्यूनीशिया में इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ मोनुमेंट्स एंड साइट्स ने सबसे पहले विश्व धरोहर दिवस मनाया। उसके एक साल बाद 1983 नवंबर माह में यूनेस्को ने स्मारक दिवस को विश्व विरासत दिवस के तौर पर मनाने की घोषणा की। बात करें विश्व धरोहर दिवस के महत्व की तो हर देश का अपने अतीत और उस अतीत से जुड़ी कई सारी गौरव गाथा है। इन गौरव गाथा की कहानी बयां करती हैं वहां स्थित तात्कालिक समय के स्मारक और धरोहरें। युद्ध, महापुरुष, हार-जीत, कला, संस्कृति आदि को इतिहास के पन्नों पर दर्ज करने के साथ ही उनके सबूत के तौर पर इन स्थलों को सदैव जीवित रहना जरूरी है। भारत की पहली विश्व धरोहर महाराष्ट्र में स्थित एलोरा की गुफाएं हैं। वर्तमान में भारत में 40 विश्व धरोहरे हैं। यूनेस्को ने जिन 40 विश्व धरोहरों को घोषित किया है,उसमें सात प्राकृतिक, 32 सांस्कृतिक और एक मिश्रित स्थल हैं। भारत का 39 वां और 40 वां क्रमशः कालेश्वर मंदिर तेलंगाना और हड़प्पा सभ्यता का शहर धोलावीरा है। महाराष्ट्र में पांच यूनेस्को विश्व विरासत स्थल हैं।

म्यांमार में गृहयुद्ध जैसे हालात भारत के लिए चुनौती

चंद्रभूषण

म्यांमार (बर्मा) में दो साल पहले हुए आम चुनाव के नतीजों को ताक पर रखकर सत्ता में आई फौज ने 11 अप्रैल दिन मंगलवार को एक गांव में जुटी भीड़ पर पहले हवाई जहाज से दो बम गिराए, फिर हेलिकॉप्टरों से गोलीबारी की। इस हमले में सौ से ज्यादा लोग मारे गए, जिनमें सोलह बच्चे भी शामिल हैं। पिछले दो महीनों में बर्मा के उत्तर-पश्चिमी प्रांत सगाइंग में फौजी जनसंहार की यह तीसरी घटना है। यह बर्मी प्रांत भारत के तीन राज्यों मणिपुर, नगालैंड और अरुणाचल प्रदेश से सटा हुआ है। इस बार का हमला सगाइंग के कनबालू जिले में हुआ है, जिसके पाजिग्यी गांव में लोग बर्मा की निर्वासित सरकार के कार्यालय का उद्घाटन देखने आए थे।

हमारे बिल्कुल पड़ोस में मौजूद यह मुल्क, जो प्रशासनिक दृष्टि से 1935 तक भारत का हिस्सा हुआ करता था, पिछले तीन दशकों में एक ऐतिहासिक विडंबना का नमूना बनकर रह गया है। हम इसे बर्मा के रूप में जानते हैं और इसका यही नाम इतिहास में चला आ रहा है। म्यांमार नाम फौजी शासकों का दिया हुआ है। पिछले तीस वर्षों में हुए तीन आम चुनावों में लोगों ने जमकर वोट डाले हैं और हर बार तीन चौथाई से ज्यादा बहुमत आंग सान सू की के नेतृत्व वाली नैशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी को हासिल हुआ है। लेकिन फौजी जनरलों का एक गुट सत्ता छोड़ने को राजी नहीं होता, सरकार को अपने डंडे से हांकता है और निर्वाचित प्रतिनिधियों को जेल में डाल देता है। पिछला आम चुनाव 2020 में हुआ था। कोरोना की पहली लहर के तुरंत बाद हुए इस चुनाव में कुल 476 में से 396 सीटें हस्र्ष्ठ ने जीती थीं। लेकिन उसकी सरकार बनने से पहले ही फौज ने शुरू में महामारी से सुरक्षा के नाम पर लोगों को घर में बंद किया, फिर फरवरी 2021 में चुनावी गड़बड़ी का आरोप लगाकर नतीजे रद्द घोषित कर दिए और देश में मार्शल लॉ लागू कर दिया। अलबत्ता इस बार मामले ने एक अप्रत्याशित मोड़ भी लिया। निर्वाचित प्रतिनिधियों में से कुछ देश छोड़कर चले गए और इंटरनेट के जरिये आपस में संपर्क रखते हुए 'नैशनल यूनिटी गवर्नमेंट' नाम से निर्वासित सरकार की घोषणा कर दी। कुल 17 निर्वाचित प्रतिनिधियों को लेकर गठित इस सरकार में चार मंत्री हैं, जो विदेश, वित्त, रक्षा आदि नौ विभागों के जरिये अपनी प्रतीकात्मक नीतियां लागू करते हैं। राष्ट्रीय सेना को छोड़कर प्रतिरोधी सेना में शामिल होने पर मृत्युदंड की घोषणा फौजी शासन द्वारा की गई है। इसके बावजूद एक ब्रिगेडियर समेत 1500 सैनिकों ने अभी तक नैशनल यूनिटी गवर्नमेंट की बागी फौज पीपल्स डेमोक्रेटिक फोर्स (पीडीएफ) से जुड़ने का फैसला किया है। म्यांमार में हालात गृहयुद्ध जैसे बन

रहे हैं, लेकिन मिलिट्री जुंटा की ओर से जिन हमलों की सूचना अब तक सामने आई है, वे पीडीएफ के हथियारबंद दस्तों के खिलाफ नहीं, लोकतंत्र के लिए किसी शहर में सड़क पर उतरे या किसी गांव में जुटे आम लोगों पर किए गए हैं।

कुछ समय पहले तक ऐसा लग रहा था कि दुनिया का कूटनीतिक दबाव रंग लाएगा और हर तरफ से अलग-थलग पड़ते जा रहे बर्मा के फौजी शासकों को एक दिन लोकतंत्र को स्वीकार करने भर की अक्ल आ जाएगी। कोरोना का हल्ला शुरू होने से पहले तक यह धारणा सच साबित होती लग रही थी। 2016 में हुए आम चुनाव से निकली सरकार के हाथ-पांव बांधकर ही सही, लेकिन चार साल का कार्यकाल उन्होंने पूरा कर लेने दिया। लेकिन इस बीच कुछ काम उन्होंने ऐसे किए जिनसे खेल पलटने लगा, फिर महामारी ने पुराने ढर्रे पर लौटने का मौका उन्हें दे दिया।

बर्मा में 68 प्रतिशत आबादी बामर जाति की है, जो धर्म से बौद्ध है। अल्पसंख्यक जातियों और धर्मों के लोग बर्मा को तोड़ डालेंगे या इसकी सत्ता पर कब्जा कर लेंगे, यह बहाना शुरू से यहां फौजी शासकों की मदद करता आया है। 2016 के आम चुनाव में नतीजे फौजी शासन को लेकर नरम रुख रखने वाले दलों के बिल्कुल खिलाफ जाने के बाद जनरलों ने पहला काम किया रोहिंग्या का मुद्दा खड़ा करने का, जिसमें दुर्भाग्यवश कुछ बौद्ध भिक्षुओं का समर्थन भी उन्हें प्राप्त हुआ। बर्मा के रखाइन प्रांत में रोहिंग्या जाति के 14 लाख मुसलमान रहते हैं। उन्हें बाहरी और आतंकी घोषित करके 2017 में उनके खिलाफ ऐसा कत्लेआम मचाया गया कि आधे से ज्यादा रोहिंग्या अपनी जमीन छोड़कर भाग गए। इनमें कुछ भारत चले आए हैं और बाकी बांग्लादेश में बहुत ही खराब हालत में रह रहे हैं। बर्मी फौज की इस शातिर चाल का कूटनीतिक नुकसान वहां लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई हस्र्ष्ठ सरकार को उठाना पड़ा। दूसरा कदम चीन से रिश्ते मजबूत करने का था, जिसकी पहल फौज की ओर से ही हुई, लेकिन पूंजी की किल्लत को देखते हुए सरकार के पास इसके लिए हामी भरने के सिवा कोई रास्ता नहीं था। नतीजा यह कि हिंद महासागर तक सीधे पहुंचने का रास्ता पाकिस्तान में बनाने में जुटे चीन के लिए बर्मा में यह रास्ता बिना किसी मशक्कत के खुल गया। अभी खाड़ी देशों से अपना अच्छा-खासा तेल आयात वह इसी रास्ते से कर रहा है और इसकी सुरक्षा के नाम पर अंडमान के बहुत करीब स्थित एक बर्मी द्वीप पर अपना फौजी अड्डा भी बना रहा है।

भारत का धर्मसंकट

भारत के लिए इससे धर्मसंकट यह खड़ा हो गया है कि आंग सान सू की और उनके लोकतांत्रिक संघर्ष के पक्ष में लगातार खड़ा रहने के बावजूद बर्मा के मिलिट्री जुंटा के खिलाफ बोलने की उसकी स्थिति नहीं रह गई है। चीन ने बर्मा के रास्ते बंगाल की खाड़ी में अपनी स्थिति पहले ही मजबूत कर रखी है, कम से कम बर्मी फौज को यह बहाना तो न मिले कि 'भारतीय दबाव' का मुकाबला करने के लिए उसे चीन से अपने रिश्तों की रफ्तार बढ़ानी पड़ रही है!

गांधी आज

साफ-सुथरी आदतें (भाग-02)

गतांक से आगे...

परोसने का बरतन खाने वाली की थाली या कटोरी से आकर परोसना अस्वच्छता है और छू जाने के डर से परोसने के बजाए थाली में दूर से फेंकना या बिखेरना असभ्यता है। गंदे पौवो अपने बिछोने पर भी नहीं रखना चाहिए। अनेक मनुष्य जहाँ साथ सोए हो वहाँ चलने फिरने वाले को किसी का बिछौना रौंदना न चाहिए। काम से आकर अथवा लघुशंका करके हाथ धोए बिना खाने की चीज को न छूना चाहिए, न पीने के पानी के मटके में हाथ डालना चाहिए। पान तंबाकू बीडी आदि के व्यसन वालों को इस विषय में खास एहतियात रखनी चाहिए। कितनों के शरीर में बराबर खुजली होती रहती है। कितनों को बार-बार नाक साफ करनी पड़ती है। ऐसे आदमियों को भी हाथ धोकर ही खाने पीने की चीजें छूनी चाहिए। जिस डोल या बाल्टी में कपड़े धोए हों उसे माँजे और उसकी चिकनाई दूर किए बिना उसे कुएँ में नहीं डालना चाहिए और न पीने-पकाने का पानी उससे भरना चाहिए।

पेशाब, कुल्ली करने, थूक वगैरा के लिए मोरियों का उपयोग करने का रिवाज बहुत ही गंदा है और बहुत ही अच्छा हो कि ऐसी मोरियाँ घर में रखी ही न जायें। इसके लिए खास बरतन काम में लाना और उन्हें दूर ले कर साफ करना अच्छे से अच्छा फायदा है। जिन गाँवों में गंदे पानी के निकास के लिए अच्छी नहर (गटर) की व्यवस्था नहीं है वहाँ मोरियों से काम नहीं लेना चाहिए। तथापि जहाँ मोरियों से ही काम लेना पड़े वहाँ नाली में पेशाब करने के लिए बैठनेवाले को चाहिए कि नज़दीक कोई बरतन आदि पड़ा हो तो उसे आनी दूर रख दे जिससे उसपर छींटें न पड़ने पावें। इसके सिवा इस तरह या कुल्ली नहीं करनी चाहिए जिससे उसपर छींटें पड़ें। मुँह से मदी गालियाँ निकालने की आदत भी एक प्रकार की ही है। जिस जीभ से परमात्मा का नाम लिया जाता है उसी जीभ दी गालियाँ निकालना नहाकर धूरपर लोटने से भी ज्यादा गंदा काम है इससे जीन के साथ-साथ मन भी अपवित्र होता है।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ की पहली महिला अग्निवीर हिशा पहुंची अपने गांव, जोरदार स्वागत

दुर्ग। इंडियन नेवी एसएसआर की पहली महिला बैच में छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिला अंतर्गत ग्राम बोरीगारका की बेटी हिशा का चयन हुआ था। ट्रेंनिग पूरी कर हिषा अपने गांव बोरीगारका लौटी, गांव लौटने पर हिशा के भाई कोमल सहित ग्रामीणों ने उसका भव्य स्वागत किया। गांव में रैली भी निकाली गई। भाई कोमल बघेल हिशा को दुर्ग स्टेशन से अपनी गाड़ी में गांव लेकर पहुंचे। हिशा का भाई कोमल बघेल ने बताया कोरोना काल के बाद इंडियन नेवी ने पहली बार एसएसआर (सीनियर सेकेंडरी रिक्रूट) के रूप में महिलाओं को शामिल होने का सुनहरा अवसर दिया। इसमें देशभर से बड़ी संख्या में लड़कियों ने फार्म भरे, इंडियन नेवी अग्निवीर के तहत हुई भर्ती में एसएसआर के रूप में पहली महिला बैच में 560 पदों पर भर्ती होनी थी, इसमें पूरे देश में लगभग 200 महिलाएं चयनित हो पाई। छत्तीसगढ़ से हिशा ने मेरिट बेस में स्टेज 1 को पार कर विशाखापट्नम में आयोजित लिखित परीक्षा दिलाई, इसमें उन्होंने बेहतर प्रदर्शन किया। इसी तरह फिजिकल टेस्ट में भी आगे रहते हुए टाप कर सबसे पहले चयनित हुई। उन्होंने बताया कि उनके पिता संतोष बघेल आटो चलाते थे, मगर 12 साल पूर्व कैंसर हो गया उनके इलाज के लिए जमीन व गाड़ी बेचनी पड़ी फिर भी ठीक नहीं हुए। हिशा की ट्रेनिंग के दौरान ही उसके पिता की मौत हो गई लेकिन यह बात घर वालों ने हिशा से छुपाए रखी।

राइस मिल में लगी भीषण आग, मशक्कत के बाद दमकलकर्मियों ने पाया काबू

दुर्ग। दुर्ग के पुलगांव थाना क्षेत्र के चंदखुरी गांव के राइस मिल में बीती रात भीषण आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम करीब 15 गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। फायर ब्रिगेड को टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद पांच से छह घंटे में आग पर काबू पाया। राइस मिलर को लाखों का नुकसान बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, पुलगांव थाना प्रभारी प्रदीप सोरी ने बताया कि बीती रात सूचना मिली कि चंदखुरी गांव में स्थित राकेश राइस मिल में भीषण आग लग गई। उन्होंने तत्काल अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा दुर्ग को इसकी सूचना दी। और अपनी टीम के साथ घटनास्थल पहुंचे राइस मिल में भीषण आग लगी थी। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन के दो फायर ब्रिगेड पहुंच गई। आग काफी भीषण होने के चलते भिलाई स्टील प्लांट से एक फायर ब्रिगेड को भी बुलाया गया।

पुलिस को चकमा देकर भागने वाला आरोपी पकड़ाया

भाटापारा। पुलिस को चकमा देकर फरार होने वाले दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी सोनू निषाद ऊर्फ आशुतोष पर युवती का अपहरण कर दुष्कर्म करने का आरोप है। जब उसके गिरफ्तार कर जेल भेजने की तैयारी की जा रही थी तो वह पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया था। जानकारी के मुताबिक, सोनू को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस कई जगहों पर दबिश दे रही थी, उसे पकड़ने के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही थी। आरोपी के कैथी गांव के सब्जी बाडी में छुपे होने की सूचना मिली थी। जिसके बाद पुलिस ने दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

रील बनाने के चक्कर में कार से किया स्टंट, 9800 का हुआ चालान

बिलासपुर। बिलासपुर में गनियारी कोटा रोड पर कार सवारों के स्टंटबाजी करने का वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा था। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने इसका संज्ञान लेते हुए कार चालाक का 9800 रुपये का चालान किया है। जानकारी के मुताबिक, सोशल मीडिया के माध्यम से एक व्यक्ति द्वारा अपने कार पर स्टंट करते हुए वीडियो वायरल हुआ था। इस मामले को थाना यातायात निरीक्षक मोहन भारद्वाज द्वारा त्वरित संज्ञान में लिया जाकर उक्त वाहन का नंबर ट्रेस कर संबंधित गाड़ी मालिक के पता पर नोटिस भेज कर थाना में उस वाहन को तलब किया गया। गाड़ी में ब्लैक फिल्म भी लगी हुई है, जिसे मौके पर तत्काल उतरवाकर पूछताछ की गई। जो अपना नाम अनूप डेविड पिता लोहना डेविड पता वार्ड नंबर 12 विद्युत नगर तिफरा का होना बताया, उसने दो दिन पहले गनियारी कोटा रोड पर अपने कार से स्टंट करना स्वीकार किया। जिसके खिलाफ एमव्ही एक्ट के विभिन्न धाराओं के तहत विधिवत 9800 रुपये का चालान काटकर कार्रवाई की गई।

बोर्ड की 1.25 लाख उत्तर पुस्तिकाओ का मूल्यांकन समय सीमा में पूरा हुआ

जगदलपुर। जिला मुख्यालय के बस्तर हाई स्कूल में दसवीं-बारहवीं बोर्ड की परीक्षाओं का मूल्यांकन पूरा कर लिया गया है। दूसरे जिलों से आई उत्तर पुस्तिकाओं की जांच के लिए निर्धारित समय सीमा 17 अप्रैल को मूल्यांकन पूर्ण कर लिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार 25 मार्च से मूल्यांकन की शुरुआत की गई थी। 23 दिनों में करीब 250 मूल्यांकन कर्ताओं ने उत्तर पुस्तिकाओं की जांच की। बोर्ड ने दो खेपों में 1.25 लाख उत्तर पुस्तिकाएं मूल्यांकन के लिए बस्तर हाई स्कूल भेजी थीं। भेजे गये करीब सवा लाख कॉपियों का मूल्यांकन पूरा कर यहां से मार्कशीट बोर्ड को भेजी जाएंगी, जिसके बाद मई माह के आखिर तक नतीजों की घोषणा की संभावना व्यक्त की जा रही है। बस्तर हाई स्कूल के प्राचार्य बीएस रामकुमार ने बताया कि सोमवार को मूल्यांकन की प्रक्रिया पूरी करने के बाद सारी मार्कशीट्स बोर्ड को भेजी जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने दी 117 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

भेंट-मुलाकात- रोजगार, सड़क, पेयजल सहित इलाज से जुड़े कार्यो का लोकार्पण - भूमिपूजन किया

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में आज भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान शहर वासियों को 117 करोड़ 61 लाख रूपए से अधिक के विभिन्न विकास कार्यो की सौगात दी। भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में युवाओं को रोजगार, सड़क-यातायात, पेयजल, शहर सौदर्यीकरण से लेकर इलाज की बेहतर सुविधा से जुड़े कई विकास कार्यो का लोकार्पण और भूमिपूजन किया गया। बघेल ने 50 करोड़ रूपए की लागत से रायपुर शहर में 5 सड़कों के सौदर्यीकरण और 10 करोड़ की लागत से मल्टीलेवल पार्किग के पांचवें माले पर 500 सीटर बी.पी.ओ. सेंटर की आधारशिला रखी। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने नगरनिगम रायपुर के जोन क्रमांक 07 में 26 लाख रूपए की लागत के, जोन क्रमांक 04 में 85 लाख रूपए की लागत से और जोन क्रमांक 10 में 01 करोड़ रूपए की लागत के कई विकास कार्यो का भूमिपूजन भी किया। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने साढ़े 65 करोड़ रूपए की लागत के विकास कार्यो को शहर वासियों को समर्पित भी किया।

भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान श्री बघेल ने 24 करोड़ 87 लाख रूपए की लागत से निर्मित देवेंद्र नगर उच्च स्तरीय जलागार और पाईप लाईन विस्तार कार्य, 13 करोड़ 83 लाख रूपए की लागत से शंकर नगर उच्च स्तरीय जलागार और पाईप लाईन विस्तार कार्य, 5 करोड़ 30 लाख रूपए की लागत के तेलीबांधा उच्च स्तरीय जलागार से पाईप लाईन विस्तार कार्य, 53 लाख रूपए की लागत से शंकर नगर के जेठवा गार्डन का सौदर्यीकरण और पुनर्विकास कार्य और 48 लाख रूपए की लागत से देवेन्द्र नगर के गुरूघासीदास गार्डन के सौदर्यीकरण और पुनर्विकास कार्यो का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने 40 लाख रूपए की लागत से फाफाडीह के साहू पारा तालाब के सौदर्यीकरण और पुनर्विकास कार्य, 37 लाख रूपए की लागत से श्यामनगर के महाराणा प्रताप गार्डन का सौदर्यीकरण और पुनर्विकास कार्य, 19 लाख रूपए की लागत से देवेन्द्र नगर के चैतन्य गार्डन का सौदर्यीकरण और पुनर्विकास कार्य, 18 लाख रूपए की लागत से सिद्धीविनायक गार्डन का सौदर्यीकरण और पुनर्विकास कार्य और 17 लाख रूपए की लागत से सर्वानंद गार्डन का सौदर्यीकरण और पुनर्विकास कार्यो का लोकर्पण किया। मुख्यमंत्री ने पंडरी में 19 लाख रूपए की लागत से पुनर्विकसित किए गए कुष्ठ बस्ती तालाब, 69 लाख रूपए से पुनर्विकसित किए गए खम्हारडीह के बड़ा शीतला तालाब का भी लोकार्पण किया।श्री बघेल ने 19 लाख रूपए की लागत से पुनर्विकसित हुए शंकर नगर गार्डन, 87 लाख रूपए की लागत से बने शहीद नंदकुमार पटेल चौक, 47 लाख रूपए की लागत से इंन्द्रावती कालोनी गार्डन और 14 लाख रूपए की लागत से गीतांजली नगर गार्डन के सौदर्यीकरण कार्यो को भी शहर वासियों को लोकर्पित किया। श्री बघेल ने इस दौरान नगरनिगम रायपुर के जोन क्रमांक 03 में 02 करोड़ रूपए की लागत के, जोन क्रमांक 02 में 05 करोड़ 18 लाख रूपए की लागत से और जोन क्रमांक 09 में 03 करोड़ 17 लाख रूपए की लागत से हुए विभिन्न विकास कार्यो का लोकार्पण भी किया।

शहर वासियों को इलाज की बेहतर सुविधा देने के लिए मुख्यमंत्री श्री बघेल 5 करोड़ 63 लाख रूपए की लागत के विकास कार्यो का भी लोकार्पण करेंगे। जिला चिकित्सालय में 35 लाख 62 हजार रूपए की लागत से बनी टू-नॉट लैब और 74 लाख 56 हजार रूपए से बने 20 बिस्तर आईसोलेशन वार्ड का भी लोकार्पण किया जाएगा। जिला चिकित्सालय में ही 65 लाख रूपए की लागत से बने 12 बिस्तर आईसीयू और 30 बिस्तर ऑक्सीजन युक्त वार्ड का भी लोकार्पण होगा।

मुख्यमंत्री श्री बघेल कालीबाड़ी के जिला चिकित्सालय में 70 लाख रूपए की लागत से बने ट्रांजिट हॉस्टल और खो-खो पारा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 32 लाख 28 हजार रूपए की लागत से बने 20 बिस्तर अतिरिक्त वार्ड का भी लोकार्पण करेंगे। श्री बघेल चिकित्साकर्मियों को आवास की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने जिला चिकित्सालय परिसर में 2 करोड़ 86 लाख रूपए की लागत से बने 08 स्टॉफ क्वाटरर्स का भी लोकार्पण करेंगे।

बिजली की मांग 5700 मेगावाट के रिकार्ड स्तर तक पहुंची

रायपुर। प्रदेश में आर्थिक विकास की गतिविधियों में तेजी आने और बढ़ती हुई गर्मी के कारण बिजली की मांग में रिकार्ड तेजी आई है। 16 अप्रैल की रात को प्रदेश में बिजली की अधिकतम डिमांड 5696 मेगावाट दर्ज की गई। पॉवर कंपनी ने कुशल प्रबंधन करते हुए पॉवर एक्सचेंज के बिजली क्रय कर विद्युत आपूर्ति को बेहतर ढंग से सुनिश्चित किया। यह प्रदेश स्तर पर अब तक की सर्वाधिक डिमांड का रिकार्ड है। 2017-18 में सर्वाधिक डिमांड 4318 मेगावाट थी। इस वर्ष उच्च मांग लगभग 5700 मेगावाट के स्तर तक पहुंच गई है। इस तरह बिजली की डिमांड में 32 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री मनोज खरे ने बताया कि पॉवर कंपनी बढ़ती मांग पर नजर बनाए हुए है। प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। बिजली की बढती हुई मांग की पूर्ति के लिये कंपनी प्रबंधन ने राज्य के समस्त विद्युत उत्पादन संयंत्रों को उच्चतम क्षमता पर चलाये जाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश

जारी किये गये हैं। गर्मी के कारण बिजली की बढ़ती हुई मांग की आपूर्ति हेतु डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने उचित प्रबंधन किया है। इस मांग की आपूर्ति के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी से 2505 मेगावाट बिजली प्राप्त हुई। राज्य शासन के अनुबंध के आधार पर केंद्रीय उत्पादन संयंत्रों से 2540 मेगावाट, आईपीपी (इंडिपेंडेंट पॉवर प्लांट) से 366, शार्ट टर्म ओपन एक्सचेस के माध्यम से 127 और पंजाब राज्य से बैंकिंग के माध्यम से 200 मेगावाट बिजली की उपलब्धता रही। इस तरह प्रदेश में सर्वाधिक डिमांड 5696 मेगावाट के विरुद्ध राज्य में 5738 मेगावाट विद्युत की उपलब्धता बनी रही।

उद्योगपतियों का संपत्ति कर माफकरने के बजाए आम नागरिकों को टैक्स में राहत दे नगर निगम- अजय वर्मा

■ **पानी के संकट को लेकर भाजपा पार्षदों ने निगम सामान्य सभा के बाहर मटका फोड़कर किया विरोध प्रदर्शन**

दुर्ग। भीषण गर्मी में शहर के विभिन्न वार्डों में व्याप्त पानी की संकट को लेकर आज भाजपा पार्षदों ने जोरदार आवाज बुलंद करते हुए निगम सामान्य सभा की आयोजित विशेष बैठक के बाहर मटका फोड़कर प्रदर्शन किया खालसा पब्लिक स्कूल में उद्योगपतियों के संपत्ति कर माफ करने की एक सूत्रीय एजेंडे को लेकर निगम द्वारा आहूत किए गए विशेष बैठक में शामिल होने के पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय वर्मा के नेतृत्व में भाजपा की महिला पार्षदों के साथ पुरुष पार्षदों ने भी सिर पर मटका लेकर बैठक स्थल तक पहुंचे जहां सदन के बाहर महापौर व विधायक के खिलाफ जमकर नारे बाजी करते हुए प्रदर्शन कर मटका फोड़ कर विरोध दर्ज कराया तत्पश्चात बैठक में शामिल हुए। इस अवसर भाजपा पार्षद श्रीमती गायत्री साहू, चंद्रशेखर चंद्राकर, देवनारायण चंद्राकर, काशीराम कोसरे, नरेंद्र बंजारे, नरेश तेजवानी, ओम प्रकाश सेन, मनीष साहू, अजीत वैद्य, चमेली साहू, लीना दिनेश देवांगन, शशि द्वारका साहू, पुष्पा गुलाब वर्मा, हेमा शर्मा, कुमारी बाई साहू आदि उपस्थित थे।

इस अवसर पर नेताप्रतिपक्ष अजय वर्मा सहित भाजपा पार्षदों ने संयुक्त रूप से कहा कि एक तरफ प्रदेश से लेकर शहर तक की कांग्रेस सरकार पूंजीपतियों को लाभ देने संपत्ति कर माफ कर रही है तो दूसरी तरफ शहर के विभिन्न वार्ड के नागरिक पानी की समस्या से जूझ रहा है केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा दुर्ग की जनता की प्यास बुझाने 152 करोड़ से अधिक की राशि देने के बाद भी जलसंकट दूर नही हुआ है आज भी निगम क्षेत्र के नया पारा राजीव नगर,मठपारा, गया नगर, शक्ति नगर, तितुरडीह, सिंधी कालोनी, पचरी पारा मिलपारा कचहरी वार्ड, पद्मनाभपुर, राम नगर उरला, बघेरा सहित विभिन्न वार्डों में भीषण गर्मी में नलों की धार पतली होने के कारण कई घरों में पानी नहीं पहुंच रहा है किंतु निगम के महापौर धीरज बाकलीवाल की कांग्रेसी परिषद केवल विधायक अरुण वोरा के परिक्रमा में व्यस्त है जिसके चलते पेयजल व्यवस्था सप्लाई चरमरा गई है। आए दिन किसी न किसी वार्ड में पानी सप्लाई बंद हो जाता है जबकि गया नगर राम नगर जैसे कई क्षेत्रों में बारह महीने लो प्रेशर की समस्या बनी रहती है जिससे लोग परेशान है और गर्मी के दिनों में बेहद त्रस्त है इसलिए आज भाजपा पार्षद निगम की विशेष बैठक में मटका फोड़कर प्रदर्शन किया है और यदि शीघ्र ही पानी की समस्या दूर नही हुआ तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ में फर्जी लेटर ने उड़ाई प्रशासन की नींद

गृह विभाग के अवर सचिव ने दर्ज कराई एफआईआर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एक फर्जी लेटर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस लेटर को छत्तीसगढ़ शासन के गृह विभाग की ओर जारी होना बताया गया है। इतना ही नहीं इसमें अवर सचिव मनोज कुमार श्रीवास्तव के नाम का फर्जी हस्ताक्षर भी है। मामले की जानकारी गृह सचिव मिलने पर अवर सचिव मनोज कुमार श्रीवास्तव ने नवा रायपुर के राखी थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

एफआईआर में लिखा गया है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने अवर सचिव के नाम और पदनाम का उल्लेख कर फर्जी दस्तावेज बनाया है। उसने कूटरचित कर लेटर को सोशल मीडिया पर वायरल कर शासन एवं गृह विभाग की छवि धूमिल करने की कोशिश की है। अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 419, 469 के तहत अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया है। छत्तीसगढ़ शासन एवं गृह विभाग की छवि खराब करने के उद्देश्य से यह फर्जी पत्र सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा है। यह पत्र सभी पुलिस अधीक्षकों के नाम से छत्तीसगढ़ शासन के गृह विभाग की ओर से जारी होना बताकर इस पर अवर सचिव मनोज कुमार श्रीवास्तव का फर्जी हस्ताक्षर भी दर्ज है।

ईडी की कथित प्रताडना के खिलाफ याचिका पर हुई सुनवाई, आदेश सुरक्षित

बिलासपुर। ईडी की कथित प्रताडना के खिलाफ चार याचिकाओं पर सोमवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने आदेश सुरक्षित रखा है। याचिकाकर्ता हनीफ ढेबर, पिंकी सिंह, नितेश पुरोहित और अभिषेक सिंह ने अलग-अलग याचिका दायर ईडी पर आरोप लगाए हैं। याचिकाकर्ताओं के यहां ईडी ने सीधे रेड नहीं की थी, लेकिन उन्हें पूछताछ के लिए बुलाकर प्रताड़ित किया गया। इन सभी ने ईडी की कार्रवाई को दोषपूर्ण और अवैध करार दिया है।

चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस संजय के अग्रवाल की पीठ में आज चारों क्रिमनल रिट याचिका पर सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता हनीफ ढेबर ने बिना समंस और वारंट के ईडी की कार्रवाई अवैध करार दिया, और कहा कि उनके निवास पर छापेमारी का एकमात्र कारण ढेबर परिवार से रिश्तेदारी है। याचिकाकर्ताओं ने ईडी की कार्रवाई न सिर्फ दूषित है बल्कि उनके मौलिक अधिकारों का हनन हुआ है। कोर्ट ने संबंधित पक्षों को सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा है।

नक्सलियों पर जितना इनाम, सरेंडर करने पर मिली उतनी राशि

■ **पुनर्वास नीति के तहत दिए गए 26 लाख रुपये**

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ कबीरधाम में चार इनामी नक्सलियों सहित छह ने सरेंडर किया है। राज्य शासन की पुनर्वास प्रोत्साहन योजना के तहत इन सभी को 26 लाख रुपये प्रदान किए गए। खास बात यह है कि सरेंडर करने वाले इन नक्सलियों को उतनी ही सहायता राशि प्रदान की गई है, जितना उनके ऊपर इनाम था। यह इनाम शासन और पुलिस की ओर से नक्सली संगठन में उनके पद के आधार पर तय किया गया था।

सरेंडर करने वाले नक्सलियों में दिवाकर उर्फ किशन उर्फ लिवरू कोर्राम और करन उर्फ सुद्धू हेमला पर आठ-आठ लाख रुपये का इनाम था। इसके चलते उन्हें इतनी ही राशि का चेक दिया गया। वहीं देवे उर्फ लक्ष्मी रऊवा, और अनिता हेमला को पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। इन सभी सरेंडर करने वाले नक्सलियों को पुनर्वास नीति के तहत राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, 10-10 हजार रुपये और केंद्रीय सहायता राशि के ढाई-ढाई लाख रुपये व आवास निर्माण के लिए 75-75 हजार रुपये अलग से दिए गए हैं।

पुलिस ने बताया कि सरेंडर करने वाले इन सभी नक्सलियों ने शिक्षा प्राप्त करने की भी इच्छा जताई है। ऐसे में दिवाकर उर्फ लिवरू कोर्राम, देवे उर्फ लक्ष्मी, करन हेमला, अनिता हेमला तीजू उर्फ मंगलू बेको और राजे उर्फ वनोजा बेको को ओपन परीक्षा के तहत 10वीं की परीक्षा का फार्म भरवाकर जरूरी किताबें भी उपलब्ध कराई गई हैं। काफी सालों से नक्सल विचारधारा का हिस्सा होने के बाद अब ये शिक्षा ग्रहण कर अपने मानसिक और बौद्धिक विकास कर भविष्य में बेहतर जीवनयापन कर सकेंगे।

प्राचार्य पदोन्नति के लिए नियमित व्याख्याता-प्रधान पाठकों की राज्य स्तरीय बैठक संपन्न

राज्य में 3200 से अधिक प्राचार्य के रिक्त पदों पर पदोन्नति कर नये शिक्षा सत्र के पहले आदेश जारी करने की प्रबल माँग की

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य प्राचार्य पदोन्नति संघर्ष मोर्चा के द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग में 10 वर्षों से रुकी हुई प्राचार्य पदोन्नति के संबंध में 14 अप्रैल 2023 को रायपुर में प्रदेश के सभी नियमित व्याख्याता तथा नियमित प्रधान पाठकों की राज्य स्तरीय बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक में छत्तीसगढ़ राज्य प्राचार्य पदोन्नति संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर प्रदेश के विभिन्न ज़िले से बड़ी संख्या में नियमित व्याख्याता टी/ ई संवर्ग तथा नियमित प्रधान पाठक माध्यमिक शाला (स्नातकोत्तर प्रशिक्षित) टी/ई संवर्ग सम्मिलित हुए। बैठक में प्रदेश के विभिन्न मान्यता प्राप्त शिक्षक संगठनों, शिक्षक संघों, कर्मचारी संगठनों, यूनियनों, फेडरेशन के पदाधिकारी भी उपस्थित थे। बैठक में उपस्थित समस्त नियमित व्याख्यातागणों तथा प्रधान पाठकों को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य प्राचार्य पदोन्नति संघर्ष मोर्चा के मुख्य संयोजक सतीश प्रकाश सिंह ने कहा कि राज्य में स्कूल शिक्षा विभाग अंतर्गत वर्ष 2013 से प्राचार्य पदोन्नति विभिन्न कारणों से बाधित रही हैं। माननीय उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ से 9 मार्च 2023 को कई याचिकाओं का निराकरण करते हुए शासन को निर्देशित किया गया हैं

कि छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा सेवा (शैक्षिक एवं प्रशासनिक संवर्ग) भर्ती तथा पदोन्नति नियम , 2019 के तहत व्याख्याता एवं प्रधान पाठकों से प्राचार्य पद पर पदोन्नति की जावें । किन्तु माननीय उच्च न्यायालय के निर्णय जारी होने के एक माह बीत जाने के बाद भी प्राचार्य पदोन्नति की प्रक्रिया शुरू नहीं की गई हैं। प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग में प्राचार्य के 3266 पद रिक्त हैं, जहाँ वर्ष 2013 से पदोन्नति नहीं की गई हैं। प्रदेश के इन हाई स्कूल, हायर सेकंडरी स्कूलों में पूर्णकालिक प्राचार्य के नहीं होने से शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हो रही हैं। राज्य स्तरीय बैठक में प्रदेश के विभिन्न ज़िले से आये हुए नियमित व्याख्याता तथा प्रधान पाठकों ने शासन से अविलंब प्राचार्य पदोन्नति का आदेश जारी करने की पुरजोर माँग की। मुख्य रूप से- अशोक चौहान जांजगीर शक्ति, जी आर देवांगन मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी , बी आर प्रधान रायगढ़, बसंत त्रिवेदी गरियाबंद, कोमल जैन फरसगाँव, एम एस जयसिंधु धमतरी,श्रीमती पुष्पा पटेल दुर्ग, घनश्याम सिंह साहू नगरी धमतरी, कामता प्रसाद सिन्हा राजनांदगांव, बलदाउ प्रसाद कोसले गरियाबंद, डॉ अखिलेश त्रिपाठी जगदलपुर बस्तर ने प्रमुखता से अपने विचार रखें। बैठक में प्राचार्य पदोन्नति संघर्ष मोर्चा के मुख्य संयोजक सतीश प्रकाश सिंह ने कहा कि शीघ्र ही छत्तीसगढ़ राज्य प्राचार्य पदोन्नति संघर्ष मोर्चा के द्वारा प्रदेश के विभिन्न मान्यता प्राप्त शिक्षक संगठनों, शिक्षक संघों,यूनियनों फेडरेशन के प्रमुख पदाधिकारियों के साथ एकजुट होकर छत्तीसगढ़ शासन के मुख्यमंत्री जी, स्कूल शिक्षा मंत्री जी, छत्तीसगढ़ शासन के मुख्य सचिव , स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव , स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव ,संचालक लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ रायपुर से आगामी तिथियों में मिलकर नए शिक्षा सत्र 16 जून 2023 से पूर्व प्राचार्य पदोन्नति का आदेश जारी करवाने के लिए दो माह का समयबद्ध कार्यक्रम जारी कर, विभागीय डीपीसी की समस्त प्रक्रिया पूर्ण करके प्राचार्य पदोन्नति का आदेश जारी करवाने के लिए प्रदेश के समस्त नियमित व्याख्याता तथा नियमित प्रधान पाठकों की ओर से ज्ञापन सौंपा जावेगा। राज्य स्तरीय बैठक के पश्चात संध्याकाल प्राचार्य पदोन्नति संघर्ष मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल द्वारा स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय टेकाम के रायपुर स्थित निवास जाकर स्कूल शिक्षा मंत्री के ओ.एस.डी अशोक नारायण बंजारा को प्राचार्य पदोन्नति की प्रक्रिया तत्काल प्रारंभ की जाकर नये शिक्षा सत्र के प्रारंभ होने के पूर्व प्राचार्य पदोन्नति का आदेश जारी करवाने के लिए ज्ञापन सौंपा गया। राजधानी रायपुर की राज्य स्तरीय बैठक में प्रदेश के विभिन्न ज़िले से बड़ी संख्या में टी/ ई संवर्ग के नियमित व्याख्याता तथा प्रधान पाठकगण उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

आईआईडी विस्फोट में जवान घायल

बीजापुर। बीजापुर में आईईडी विस्फोट में एक जिला रिजर्व गार्ड का जवान घायल हो गया, घायल जवान को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। छत्तीसगढ़ के वनांचल क्षेत्र में एक बार फिर पुलिस और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हो गई। जिसके बाद सर्चिंग के दौरान आईईडी बरामद किया। आईईडी निष्क्रिय करने एक जवान घायल हो गए। बता दें कि आज ही दंतेवाड़ा में सीआरपीएफ़232 बटालियन को एक और सफलता मिली है। जवानों ने सर्चिंग की दौरान दस किलो की आईईडी बरामद की है।

फर्जी दस्तावेज कूटरचित कर राज्य शासन की छवि खराब करने की कोशिश

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन एवं गृह विभाग की छवि खराब करने के उद्देश्य से एक फर्जी पत्र सोशल मीडिया में वायरल किया जा रहा है . यह पत्र सभी पुलिस अधीक्षकों के नाम से छत्तीसगढ़ शासन के गृह विभाग द्वारा जारी किया गया बताकर इस पर अवर सचिव श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव के नाम का फर्जी हस्ताक्षर भी अंकित है. गृह सचिव को इस फर्जी पत्र की जानकारी मिलने के साथ ही अवर सचिव श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव द्वारा रायपुर के राखी थाना में एफ्आईआर दर्ज कराई गयी है. किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा अवर सचिव के नाम व पदनाम का उल्लेख कर फर्जी दस्तावेज कूटरचित कर सोशल मिडिया मे वायरल कर शासन एवं गृह विभाग की छबि धूमिल करने का प्रयास किया गया है।

यूपी में खुलेआम बंदूक लेकर घूम रहे गुंडेः भूपेश बघेल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने यूपी सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि अतीक अहमद की खुलेआम हत्या कर दी जाती है। जो दावा यूपी से सीएम योगी आदित्यनाथ कर रहे थे कि उत्तर प्रदेश में गुंडा का सफाया हो गया है। गुंडा यहां से भाग गए हैं, लेकिन देखने में आ रहा है कि जेल से बैठकर षड्यंत्र करके लोगों की हत्या कर रहे हैं। पुलिस वाले के घेरे में चारों तरफ पुलिस है और पत्रकार बनकर गोली दाग दिए। यह कैसे संभव है? ये तो पूरी तरह से नाकाम है। गुंडों खुलेआम बंदूक लेकर उत्तर प्रदेश में घूम रहे हैं और जो दावा कर रहे हैं वह बिल्कुल गलत है। उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। ये बातें सीएम ने रायपुर के महादेवघाट स्थित मेहर समाज के कार्यक्रम में कहीं।

दिल्ली में जाकर घेराव करें : सीएम ने डीलिस्टिंग मामले में कहा कि ये जो आयोजनकर्ता है। उनको दिल्ली में जाकर बीजेपी का घेराव करना चाहिए।

15 साल में यह बात सामने नहीं आई, जब रमन सिंह सरकार में थे। आज डीलिस्टिंग की बात हो रही है। रैलियां निकाल रहे हैं, तो लोकसभा में पारित करें,

कौन रोक रहा है। लोकसभा में ले जाए, सत्तापक्ष के 9 सांसद हैं, एक मंत्री हैं। वह लोग लोकसभा में यह मामला क्यों नहीं उठाते हैं। उन्होंने कहा कि डीलिस्टिंग का मामला कोई राज्य सरकार का नहीं है, केंद्र सरकार का है। भारतीय जनता पार्टी लोगों को गुमराह कर रही है। अब उनके पास कोई मुद्दा बचा नहीं। इसलिए लोगों को गुमराह कर रहे हैं। लोगों को अपने पास इकट्ठा करने की कोशिश कर रहे हैं।

लोग 10 तारीख का कर रहे इंतजारः कर्नाटक में पूर्व सीएम के बीजेपी छोड़ने के सवाल पर सीएम ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में धीरे-धीरे इसी तरह की माहौल बनता जाएगा। हिमाचल प्रदेश में प्रधानमंत्री के मित्र उन्होंने पार्टी छोड़ दी, अपील किया फिर भी उन्होंने नहीं मानी। हिमाचल में भारतीय जनता पार्टी खिसक गई। अब कर्नाटक की बारी है, वहां 40त्न कमीशन से लोग त्रस्त हैं। 10 तारीख का इंतजार कर रहे हैं, ताकि भ्रष्ट सरकार से निजात मिल सके।

एमपी में क्यों नहीं गई सीबीआईः एक सवाल के जवाब में कहा कि विधायक घर में 6 करोड़ पकड़ा जाता है। ईडी आईडी क्यों नहीं जा रही है। मध्य प्रदेश में कितने व्यापमं का बड़ा कांड हुआ था। भर्ती में, उसमें ईडी, आईटी, सीबीआई क्यों नहीं जाती। सीबीआई जांच क्यों नहीं करती। हजारों करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार का आरोप लगा है। लोगों का पैसा अदानी कंपनी में लगा है और आज तक के ईडी या सीबीआई उसे नोटिस तक नहीं दे रही है। उसके खिलाफ जो बोलते हैं, उन्हे दबा दिया जाता है, कुचल दिया जाता है।

सीएम भूपेश ने कहा कि अभी-अभी जिस प्रकार से सतपाल मलिक ने जो आरोप लगाया है। एक भी प्रिंट मीडिया में मैंने ये खबर नहीं पढ़ा, कहीं नहीं छपा है। उसका आरोप का जवाब कौन देगा? ऐसी खबरों को दबा दिया जाता है या फिर जो बोलने वाले हैं, उसकी जुबान बंद कर दी जाती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मेहर समाज की उन्नति और विकास के लिए लगातार काम कर रही है। लोग भी लाभान्वित हो रहे हैं।

मेरी बात

✍ गिरीश पंकज

माफिया-डॉन बनने की चाहत!

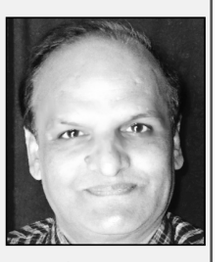

जब कोई व्यक्ति अपनी किसी विशिष्ट प्रतिभा के कारण समाज में अपनी पहचान नहीं बना पाता, तो वह दूसरे तरीके से समाज में अपनी उपस्थिति दर्ज कराना चाहता है। कोई साहित्यकार, पत्रकार कलाकार, चित्रकार , वैज्ञानिक, शिक्षक आदि अपनी रचनात्मक प्रतिभा के बलबूते समाज में उपस्थित होता है, लेकिन जिनके पास ऐसे कौशल नहीं होते, लेकिन उनके मन में भी एक चाहत होती है कि लोग उनको भी जानें, इसलिए वे अपराध जगत में प्रवेश करके अपनी पहचान बनाने की कोशिश करते हैं । हम सब ने देखा है कि किसी भी शहर में दो तरह के लोग पाए जाते हैं । एक को उनकी रचनात्मकता के लिए पहचाना जाता है और दूसरे वे लोग होते हैं, जिनको उनकी गुंडागर्दी के कारण जाना जाता है। अनेक शहरों में माफिया किस्म के लोग होते हैं, जो अपनी हरकतों के लिए (प्रख्यात तो नहीं कहेंगे) कुख्यात होते हैं। कुछ लोग इसी बात को लेकर मगन होते हैं कि समाज में उनका भय व्याप्त है। ये लोग पकड़े जाने पर पुलिस द्वारा बुरी तरह पीटे जाते हैं। जेल भेज दिए जाते हैं ।बाद में इनकी जमानत भी हो जाती है। बाहर आ जाते हैं, फिर गुंडागर्दी करते हैं ।रंगदारी करते हैं। फरार रहते हैं। फिर अचानक शहर में दिखाई देंगे ।गुंडागर्दी करके वसूली करेंगे। किसी के लिए सुपारी ले कर उस की हत्या कर देंगे। किसी को पीट देंगे । धीरे धीरे बहुत बड़े अपराधी के रूप में शहर में पहचाने जाने लगते हैं । कोई इन्हें दादा कहता है ।कोई भाईजान कहता है ।कोई उस्ताद कहता है। लोग इन्हें देख कर मुस्कुराते भी हैं और यह भी कोशिश करते हैं कि इन से दूरी बनाकर रखी जाए । हमारी कानून व्यवस्था इतनी लचर है कि कई बार उनकी लापरवाही के कारण भी बड़े-बड़े अपराधी पनपते हुए कब मछली से मगरमच्छ बन जाते हैं, पता ही नहीं चलता। और जब यह समाज के बड़े सिरदर्द बन जाते हैं, तब पुलिस उनको खोजती है और जब कभी पुलिस और गुंडों का आमना-सामना होता है, तो स्वाभाविक है मुठभेड़ होती है । मुठभेड़ में कभी-कभी अपराधी बुरी तरह मारा भी जाता है।

यह सिलसिला लगातार चल रहा है ।

पिछले दिनों माफिया डान अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ को तीन युवकों ने गोलियों से भून दिया। सिर्फ इसलिए कि वे भी माफिया के रूप में अपना नाम कमा सकें । यह कितने दुर्भाग्य की बात है कि इन युवकों ने नाम कमाने के लिए अपराध का रास्ता चुना। इनका जो आपराधिक इतिहास सामने आया है, वह बताता है कि ये लोग घर से भी बेदखल थे ।और बाहर रहकर ही आपराधिक गतिविधियों में संलग्न रहते थे। अभी तीनों हत्यारे जेल में बंद है। अब इनकी सजा कितने साल की होती है, यह तो बाद में पता चलेगा। अगर ये आजीवन कारावास भी काटते हैं तो पन्द्रह बीस साल बाद छूट जाएंगे ।तब भी ये जवान ही रहेंगे । चालीस साल के आसपास। तब ये अपने इलाके के यह बहुत बड़े डॉन के रूप में पहचाने जाएंगे ।और कोई बड़ी बात नहीं कि माफिया के रूप में ये चुनाव लड़े और जनप्रतिनिधि भी बन जाएँ। हमारा लोकतांत्रिक सिस्टम अभी तक सुधर नहीं सका है । आपराधिक मामलों में संलिप्त रहने वाले अनेक लोगों को सभी राजनीतिक दल चुनाव में खड़ा करते हैं । इन अपराधियों का समाज में ऐसा दबदबा रहता है कि लोग भयवश इन्हें वोट देकर विजयी भी बना देते हैं। अतीक और उसके भाई के हत्यारे लवलेश तिवारी, सनी सिंह और अरुण कुमार मौर्य जैसे युवको की मानसिकता चिंता में डाल देने वाली है। ये भी बड़ा माफिया बनना चाहते हैं ।

अब समाज में सब को इस दिशा में सोचना विचारना चाहिए कि कोई भी किशोर अगर अपने प्रारंभिक काल में ही आपराधिक गतिविधियों में संलग्न नजर आए तो उसको सस्नेह समझाया जाना चाहिए और बेहतर इंसान बनने की सीख देनी चाहिए। वह पढ़ाई से दूर न भागे, इसकी चिंता करनी चाहिए। हर बच्चे को बचपन से ही नैतिक शिक्षा दी जानी चाहिए, ताकि वह अपराध की ओर प्रवृत्त ही न हो ।घर की उदासीनता के कारण भी बच्चे बड़े होकर अपराधी बन जाते हैं और धीरे-धीरे यह अपराध उनके शौक में बदल जाता है। धंधे में बदल जाता है। यही कारण है कि माफिया डॉनों के परिवार को हम देखते हैं तो पूरा परिवार अपराध जगत मैं सक्रिय नजर आता है। चाहे उसका भाई हो, बेटे हों या उनकी पत्नी। ऐसे अपराधियों से सख्ती के साथ निपटना चाहिए।

मोदी सरकार के खिलाफ कांग्रेस की नुक्कड़ सभा

रायपुर। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अंतर्गत आने वाले डॉ खूबचंद बघेल ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया था इस नुक्कड़ सभा में मोदी एवं अडानी के गहरे गठजोड़ और देश की संपत्तियों को जिस प्रकार निजी हाथों में सौंपा जा रहा है इसके खिलाफ कांग्रेस ने प्रदर्शन किया गया यह प्रदर्शन दंतेश्वरी मंदिर कुशालपुर में रखा गया था नुक्कड़ सभा में उपस्थित शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गिरीश दुबे निगम सभापति प्रमोद दुबे सन्नी अग्रवाल ने सहित तमाम नेताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर हल्ला बोला। शहर प्रवक्ता बंशी कन्नौजे ने जानकारी दी कि 20 अप्रैल तक होने वाले नुक्कड़ सभा डॉक्टर खूबचंद बघेल ब्लॉक में 19 को चांगोरा भाटा बस स्टैंड भाटा गांव में की जाएगी। सरदार वल्लभभाई पटेल ब्लॉक में रामनगर कर्मा चौक,आमापारा बाजार 18 को मंगल बाजार लेफ्टिनेंट अरविंद दीक्षित ब्लॉक में दिनाँक 19 को शास्त्री बाजार गोल बाजार 20 को कोतवाली चौक जय स्तंभ चौक पंडित जवाहरलाल नेहरु ब्लॉक में

18 को तत्यापारा सिंधी स्कूल 19 को तेलीबांधा गुरु नानक द्वार 20 को सुभाष नगर गुरु घासीदास ब्लॉक में दिनाक 18 को झंडा चौक और चौपाटी शंकरनगर 19 को क्रिस्टल आर्केड बाजार 20 को तेलीबांधा बाजार शहीद भगत सिंह ब्लॉक में दिनाक 18 को टाटीबंध बस्ती 20 को महोबा बाजार रायपुरा बाजार सरोना बाजार महंत लक्ष्मीनारायण दास ब्लॉक में दिनाक 19 को शीतला बाजार गोपिया पारा 20 को भगत सिंह चौक सारथी चौक संत कबीरदास ब्लॉक मे भनपुरी बाजार मोवा बाजार 19 को गोंदवारा बाजार दलदल सिवनी बाजार संत माता कर्मा ब्लॉक में दिनाक 18 को अम्लीडीह राजेंद्र नगर 20 को फुडहर चौक जोरा पंकज विक्रम ब्लॉक में संजय नगर नंदी चौक बाजार 18 को संतोषी नगर चौक पचपेड़ी नाका चौक संत कबीरदास ब्लॉक में दिनांक 20 को खमतराई बाजार एवं शुक्रवारी बाजार शिवानंद नगर एवं हीरापुर वीरांगना अवंती बाई ब्लॉक में दिनाक 19 को फाफाडीह बाजार मंडी गेट 20 को कपड़ा मार्केट पंडरी डब्ल्यू एस बाजार में आयोजित की जाएगी।आज इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से रायपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गिरीश दुबे व रायपुर नगर निगम सभापति प्रमोद दुबे सन्नी अग्रवाल जी निवास मुन्ना मिश्रा कमलेश नाथवानी प्रदीप देवांगन उत्तम साहू जय नारायण जल छतरी नीलमणि सिन्हा पार्षद मन्नू विजेता यादव पार्षद उत्तम साहू विजय ठाकुर विनोद ठाकुर सुनील ध्रुव डॉक्टर विष्णु राजपूत डोमेश शर्मा सागर वाकडे जयंत पाठक भूपेंद्र जलक्षत्री डोमन चौहान उत्तम देवांगन नेमू यादव अविना झा बबलू सोनी कुबेर तारक लल्लू ढीमर एवं कांग्रेस कमेटी के सदस्य जन उपस्थित थे।

सौम्या चौरसिया की जमानत पर सुनवाई पूरी, हाईकोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला

बिलासपुर। लोक सेवा की निलंबित अधिकारी सौम्या चौरसिया की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। मामले की सुनवाई बहस के बाद पूरी हो गई है। सुनवाई के बाद कोर्ट ने डिसीजन रिजर्व कर लिया है। अब कभी भी इस मामले में कोर्ट अपना फैसला दे सकता है। सौम्या चौरसिया ने अपने ऊपर लगे आरोप को निराधार बताते हुए हाईकोर्ट में याचिका लगाई है। कोल परिवहन से जुड़े मनी लांड्रिंग के मामले में सौम्या चौरसिया को ईडी ने गिरफ्तार किया था। हाईकोर्ट से जमानत की गुहार लगाने वाली सौम्या चौरसिया ने खुद को पूरे मामले में पाक साफ बताया है। सौम्या के वकीलों की मानें तो कोल परिवहन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के कोई भी सबूत ईडी को नहीं मिले हैं। इसके बाद भी सौम्या को गिरफ्तार किया गया। इस मामले में ईडी के वकील ने पहले ही अपना तर्क प्रस्तुत कर दिया है। वहीं सौम्या चौरसिया के वकील सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने ऑनलाइन माध्यम से पैरवी की।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

कांग्रेस पार्टी में कार्यकर्ताओं की दुर्गति, चुनाव में काम करने को तैयार नहीं-संजय

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के सरगुजा संभाग प्रभारी संजय श्रीवास्तव ने कहा है कि

कांग्रेस का कार्यकर्ता ही आज कांग्रेस और अपनी प्रदेश सरकार से इतना निराश हो चला है कि अब वह चुनाव में कांग्रेस के लिए काम करने को तैयार नहीं है। कांग्रेस प्रभारी के सामने कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा की गई पुष्टि का हवाला देकर श्री श्रीवास्तव ने कहा कि कांग्रेस से प्रदेश की जनता के साथ-साथ अब कार्यकर्ताओं की निराशा इस बात की तयशुदा गारंटी है कि अब प्रदेश की कांग्रेस सरकार का सफाया होने जा रहा है।भाजपा के सरगुजा संभाग प्रभारी श्री श्रीवास्तव ने कहा कि कांग्रेस की भूपेश सरकार के खिलाफ आम जनता का आक्रोश सामने आ ही गया है। पर इस चुनावी वर्ष में कांग्रेस के कार्यकर्ता भी अपनी प्रदेश सरकार से साफ तौर पर नाराज दिखाई दे रहे हैं। कोरबा में कांग्रेस के सह प्रभारी के समक्ष कार्यकर्ताओं के आक्रोश को इसका एक उदाहरण बताते हुए श्री श्रीवास्तव ने कहा कि जो सरकार अपने ही कार्यकर्ताओं को भी तवज्जो नहीं देती, उस सरकार का अंत निश्चित होता है।

रिपोर्ट कार्ड देने के समय सौगात का ड्रामा कर रही है भूपेश सरकार- संदीप शर्मा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता संदीप शर्मा ने कहा है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का विधानसभाओं का दौरा सियासी ड्रामेबाजी से ज्यादा कुछ नहीं है। श्री शर्मा ने कहा कि अब जबकि चुनाव सिर पर है और रिपोर्ट कार्ड दिखाने का समय है, तब मुख्यमंत्री बघेल विधानसभाओं में जाकर सौगातों की ड्रामेबाजी कर रहे हैं। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री शर्मा ने कहा है कि हाल के महीनों में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के भेंट-मुलाक़ात कार्यक्रम के मद्देनज़र की गई घोषणाओं, उन पर क्रियान्वयन की मौजूदा स्थिति और उन घोषणाओं के बजट प्रावधानों के संबंध श्वेत-पत्र जारी किया जाए ताकि प्रदेश की जनता वास्तविकता से अवगत हो सके। श्री शर्मा ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और सत्तावादी अहंकार से उपजी राजनीतिक अशिष्टता का परिचायक है कि मुख्यमंत्री बघेल जब-जब जनता के बीच जाते हैं, उनका कार्यक्रम डॉट-डपट में बदल जाता है। श्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री बघेल की यह ज़वाबदेही है कि वे प्रदेश को यह बताएँ कि भेंट-मुलाक़ात के दौरान की गईं घोषणाएँ क्या पूरी हुईं? उनमें करोड़ों रुपए की ऐसी घोषणाएँ हैं, जिनका बजट में तो प्रावधान तक नहीं है, और घोषणाओं के बारे में बजट में कोई चर्चा तक भी नहीं की गई है। मुख्यमंत्री बघेल को पहले भेंट-मुलाकात कार्यक्रमों और उस दौरान की गईं घोषणाओं पर एक श्वेत-पत्र जारी करना चाहिए।

भाजपा ने थाने का घेराव कर लगाया कांग्रेस का पोस्टर

रायपुर। हेट स्पीच मामले में छत्तीसगढ़ बीजेपी के 8 कार्यकर्ताओं को पुलिस की ओर से नोटिस मिलने पर प्रदेश की सियासत गरमाई हुई है। मामले में सत्ता पक्ष और विपक्ष जमकर रानजीति कर रहे हैं। आज इस मामले को लेकर बीजेपी ने पलटवार करते हुए मोर्चा खोला। बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने आज बीजेपी कार्यालय एकात्म परिसर से सिविल लाइन थाने तक पैदल मार्च किया। इसके बाद सिविल लाइन थाने का घेराव कर कांग्रेस कार्यालय का पोस्टर लगाया। इस दौरान छत्तीसगढ़ का सांप्रदायिक सद्भाव खराब करने एवं हेट स्पीच मामले में भाजपा नेताओं ने सिविल लाइन थाने में सीएम भूपेश के पिता नंदकुमार बघेल, मंत्री कवासी लखमा, मंत्री अमरजीत भगत, कांग्रेस प्रवक्ता आरपी सिंह ,धनंजय सिंह ठाकुर, विधायक शकुंतला साहू, जयवर्धन बिस्सा के खिलाफ शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस को सौंप गए ज्ञापन में बताया गया कि सोशल मीडिया पर सीएम भूपेश के पिता नंदकुमार बघेल, मंत्री कवासी लखमा, मंत्री अमरजीत भगत, कांग्रेस प्रवक्ता आरपी सिंह ,धनंजय सिंह ठाकुर, विधायक शकुंतला साहू, जयवर्धन बिस्सा ने बीजेपी नेताओं के खिलाफ आपत्तिजक टिप्पणी की है। इन नेताओं को नोटिस भेजकर उन पर कार्रवाई की जाए।

कांग्रेस बताए हत्या के सभी आरोपियों को पकड़ने से कौन रोक रहा है?-अरुण साव

रायपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद श्री

अरुण साव ने कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार भुनेश्वर साहू की निर्ममता से हत्या के बाद भी चेती नहीं है एवं एक पक्षीय कार्यवाही कर रही है उन्होंने कहा भुनेश्वर साहू की निर्मम हत्या के बाद कई लोगों के नाम से रिपोर्ट दर्ज है लेकिन पुलिस उन्हें पकड़ने में अब तक सफल क्यों नहीं हो पाई ,यह एक बड़ा सवाल है कांग्रेस सरकार बताए कि आरोपियों को पकड़ने से कौन रोक रहा है? श्री अरुण साव ने कहा राज्य की कांग्रेस सरकार एकपक्षीय कार्यवाही करते हुए हिंदू समाज के लोगों, ग्रामीण जनों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न कर रही है सरकार निष्पक्ष कार्यवाही करें। श्री अरुण साव ने कहा कांग्रेस सरकार को वहां से धारा 144 हटवा कर सम्मेलन करने की तो फुर्सत है लेकिन अपने बेटे को खो चुके परिवार के गम में शामिल होने का समय नहीं है राज्य की कांग्रेस सरकार ने, मुख्यमंत्री ने मंत्रियों ने ,असंवेदनशीलता की पराकाष्ठा की है कांग्रेस सरकार के रवैये ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि भाई भुनेश्वर साहू को खोने का पूरे प्रदेश को जो दुख है, पीड़ा है कांग्रेस को उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। अरुण साव कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार जल्द से जल्द भुनेश्वर साहू की हत्या के सभी आरोपियों को पकड़े ,प्रदेश की जनता पूछ रही है आखिर आरोपियों को किसका संरक्षण है?

भारत की सांस्कृतिक एकता दुनिया में एक मिसाल - अशोक बजाज

रायपुर। जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष अशोक बजाज ने ग्राम रवेली, आमदी एवं परसदा में आयोजित रामायण सम्मेलन में शिरकत की तथा अपने संबोधन में कहा कि धर्मांतरण एवं मतांतरण के माध्यम से इन दिनों सनातन धर्म को कमजोर करने की कोशिश लगातार हो रहे हैं, इससे गांव गांव में अशांति और अराजकता का माहौल बन रहा है. इसे रोकने के लिए सामाजिक जागरूकता अति आवश्यक है. उन्होंने कहा कि भगवान राम ने उत्तर से दक्षिण तक पग पग नाप कर भारत में सांस्कृतिक एकता स्थापित की, भारत की सांस्कृतिक एकता दुनिया में एक मिसाल है. इसे अक्षुण्ण बनाए रखना हम सब का परम कर्तव्य है. इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष पारसनाथ साहू, पूर्व मंडल अध्यक्ष चूड़ामणि निर्मलकर, सरपंच चंद्रकांत सोनकर, अशोक अग्रवाल, प्रशांत ठाकुर, बहादुर अग्रवाल, रमाशंकर, राधेश्याम पटेल, पूर्णिमा हुलास साहू, जगदीश चंद्र साहू, गंगा राम साहू, सीताराम साहू, राजेश निषाद, जीवन साहू, मायाराम ध्रुव, संतोष वर्मा, गयाराम वर्मा, नकुल निषाद, दाऊलाल निषाद , पुनीत निषाद, खेमू सिन्हा, प्यारेलाल साहू, रामसिंह साहू, बाबूलाल साहू, सोनूराम साहू, हेमू राम बंजारे, हीरावन साहू, गणपत साहू, मनोहर साहू, मुकेश बंजारे, शालिग्राम सोनकर, रामेश्वर निषाद, रुपेश सिन्हा, गयाराम निषाद, छन्नू निषाद, चम्मन निषाद आदि उपस्थित थे।

कृषि विश्वविद्यालय का नवम् दीक्षांत समारोह आज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर का नवम् दीक्षांत समारोह कल 18 अप्रैल, 2023 को आयोजित किया जाएगा। कृषि महाविद्यालय रायपुर के सभागार में प्रातः 11 बजे से आयोजित इस दीक्षांत समारोह में लगभग 6 हजार विद्यार्थियों को उपधियाँ प्रदान की जाएगी। राज्यपाल एवं इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री विश्वभूषण हरिचंदन की अध्यक्षता में आयोजित नवम् दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री भूपेष बघेल होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में कृषि एवं जैव प्रौद्योगिकी मंत्री श्री रविन्द्र चौबे उपस्थित रहेंगे। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा दीक्षांत उद्बोधन देंगे। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल विद्यार्थियों को दीक्षोपदेश देंगे। दीक्षांत समारोह के दौरान मेधावी विद्यार्थियों को 62 स्वर्ण, 140 रजत एवं 23 कांस्य पदक प्रदान किये जाएंगे। इस दौरान भव्य दीक्षांत शोभायात्रा भी निकाली जाएगी। आज यहां कृषि महाविद्यालय रायपुर के सभागार में दीक्षांत समारोह के मिनट टू मिनट कार्यक्रम के अनुसार रिहर्सल की गई, जिसमें दो हजार से अधिक पंजीकृत विद्यार्थी शामिल हुए।

कलेक्टर ने बिना अनुमति नलकूप खनन पर लगाई पाबंदी

रायपुर। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भुरे ने रायपुर जिले में 30 जून तक ग्रीष्म ऋतु के दौरान नये नलकूप खनन पर रोक लगा दी है। कलेक्टोरेट से इस संबंध में आदेश भी जारी कर दिया गया है। चालू गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए रायपुर जिले का 30 जून तक जल अभाव ग्रस्त क्षेत्र घोषित किया गया है। गर्मी के मौसम में लोगों को पीने का पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नये नलकूप खोदने पर यह प्रतिबंध लगाया गया है। जारी किए गए आदेश अनुसार रायपुर जिले में 30 जून 2023 तक की अवधि में बिना सक्षम अधिकारी की पूर्व अनुमति के कोई नया नलकूप खनन नहीं किया जा सकेगा। इस अवधि में पीने के पानी या पेयजल के अलावा अन्य किसी प्रयोजन के लिए भी नया नलकूप खनन नहीं होगा। इस अवधि में किसी भी प्रकार के नये नलकूप खनन के लिए सक्षम अधिकारी से पूर्व अनुमति लेनी होगी। शासकीय-अर्द्धशासकीय एवं नगरीय निकायों को पीने के पानी के लिए अपने क्षेत्र अधिकार सीमा में आने वाले क्षेत्र में नलकूप खनन के अनुमति की जरूरत नहीं होगी। कलेक्टर डॉ. भुरे ने नलकूप खनन की पूर्व अनुमति के लिए प्राधिकृत अधिकारी भी नियुक्त कर दिए है। प्राधिकृत अधिकारी लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, नगरीय निकाय या तहसीलदार से रिपोर्ट प्राप्त कर संबंधित क्षेत्र में नये नलकूप खनन की अनुमति दे सकेंगे। प्राधिकृत अधिकारी यह अनुमति छत्तीसगढ़ पेयजल परिरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के तहत ही देंगे। रायपुर नगर निगम सीमा के तहत आने वाले क्षेत्र के लिए नये नलकूप खनन की अनुमति अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी द्वारा दी जाएगी। रायपुर राजस्व अनुभाग के तहत आने वाले क्षेत्र के लिए एसडीएम रायपुर, आरंग राजस्व अनुभाग क्षेत्र के लिए एसडीएम आरंग, अभनपुर राजस्व अनुभाग के लिए एसडीएम अभनपुर और तिल्दा राजस्व अनुभाग के लिए एसडीएम तिल्दा प्राधिकृत अधिकारी नियुक्त किए गए है।

जन चौपाल में सुनी गई आम नागरिकों की समस्याएं

कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे के मार्गदर्शन में रायपुर के अपर कलेक्टर बी.सी साहू ने

कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जन चौपाल के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याएं सुनी। साहू ने जन चौपाल के माध्यम से जिले के विभिन्न विकासखंडो से आए नागरिकों, ग्रामीणजनों, महिलाओं की समस्याओं और शिकायतों को सुना और उन आवेदनों पर नियमानुसार त्वरित निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। आज जनचौपाल ग्राम कुर्रा की सुनीता पटेल ने राशन कार्ड बनवाने, ग्राम तामासिवनी के राजीव युवा मितान क्लब के उपाध्यक्ष चितरंजन लाल साहू ने मुख्यमंत्री सुगम सड़क योजना अंतर्गत गांव में सीसी रोड निर्माण कराने, ग्राम धनसुली के धनेश यादव और गोगांव निवासी लक्ष्मण बारले ने जाति प्रमाण पत्र बनवाने, तेलीबांधा निवासी भारती निषाद ने अपने पुत्री के ईलाज हेतु, कुशालपुर के संतोष बाघ ने वृन्दावन नगर में विद्युत खंभों में लाईट लगवाने आवेदन दिया।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.